UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून...

4 एको रूद्र द्वितीयो नास्ति

5 कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को ...

6 धानापुर उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर हुई...

● वर्ष : 10 ● अंक : 01 ● लखनऊ, सोमवार 28 जुलाई 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

मनसा देवी भगदड़ में आठ की मौत

सीएम धामी ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

करण वाणी न्यूज

हरिद्वार/ लखनऊ। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार सुबह भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, हादसे में 22 घायल हैं और पांच लोग गंभीर घायल हैं, 23 लोग सामान्य हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी हरिद्वार पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल जाना। मुख्यमंत्री से इस दौरान मनसा देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने वार्ता की। मनसा देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुखद घटना में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हज़ार मनसा देवी ट्रस्ट द्वारा प्रदान किए जाएंगे। मृतक के परिजनों और घायलों को उनके घर तक ले जाने के लिए ट्रस्ट द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

मनसा देवी मंदिर दर्शन जाने वाले पैदल मार्ग पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई। करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट लगने की अफवाह फैला दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। हादसे में एक बच्चे समेत 35 श्रद्धालु घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की गई है।

इनकी हुई मौत

1- वकील 45
2- आरुष 6 रामपुर मुरादाबाद
3- विशाल 19
4-विपिन 18
5-शांति 60
6- रामभरोसे 65
7- अज्ञात 19
8-विक्की 25

यूपी के इन लोगों की मौत

1. आरुष पुत्र पंकज उर्फ प्रवेश, उम्र 12 वर्ष, निवासी-सौदा बरेली उत्तर प्रदेश
2. विक्की पुत्र रिक्का राम सैनी, उम्र 18 वर्ष ग्राम विलासपुर थाना-विलासपुर कैमरी रोड, नगलिया कला मजरा रामपुर उत्तर प्रदेश
3. वकील पुत्र भरत सिंह निवासी मीहतलवाद, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश
4. शान्ती पत्नी रामभरोसे, बदायूं उत्तर, प्रदेश

मुआवजे की घोषणा

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई। हादसे पर सीएम धामी ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने हादसे के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सीएम योगी ने जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में श्रद्धालुओं के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

ये हुए हैं घायल

- शीतल पुत्र, उम्र-17 वर्ष, तेजपाल निवासी रामपुर, उत्तरप्रदेश
- भूपेन्द्र पुत्र मुन्ना लाल, उम्र 16 वर्ष, बदायूं
- अर्जुन पुत्र सूरज, उम्र 25 वर्ष, निवासी सिविल लाइंस मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- रोहित शर्मा पुत्र कमलेश शर्मा, उम्र 21 वर्ष, निवासी मैनपुरी
- विकास पुत्र प्रेमपाल उम्र 22 वर्ष, निवासी बरेली कैण्ट, उत्तर प्रदेश
- काजल पुत्री अर्जुन उम्र 24 वर्ष, निवासी सिविल लाइंस, मुरादबाद
- निर्मला पत्नी पंकज कुमार, उम्र 30 वर्ष शीशगढ़, बरेली
- विशाल पुत्र छेदा लाल उम्र 21 वर्ष रामपुर
- अनुज पुत्र अर्जुन, उम्र 20 वर्ष, निवासी मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- एकांक्षी पुत्री संजीव कुमार, उम्र-4 वर्ष, धामपुर, उत्तर प्रदेश
- संदीप पुत्र रमेश कुमार, उम्र-25. मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
- दीक्षा पत्नी निवासी रामपुर
- मनोज सना पुत्र भूरिया, उम्र-30 वर्ष, जिला, बरेली उत्तर प्रदेश

सफाई कर्मचारियों के लिए आयोग का होगा गठन

पटना। बिहार में राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन होगा। यह आयोग सफाई कर्मियों के हितों से संबंधित सुझाव, उनके अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देगा। सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने को ले समुचित कार्रवाई करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर इस आशय की सूचना साझा की। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि बिहार में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी कि बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष तथा पांच सदस्य होंगे। इनमें एक महिला या ट्रांसजेंडर भी होंगे।

गाजीपुर में ट्रिपल मर्डर

बेटे ने मां-बाप और बहन की धारदार हथियार से की हत्या, बेटी के नाम जमीन करने से था नाराज

करण वाणी न्यूज

गाजीपुर। जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र के डीलिया गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की धारदार हथियार से नृशंस हत्या कर दी गई। एक साथ तीन लोगों की हत्या से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जमीन विवाद को इस सनसनीखेज हत्याकांड की मुख्य वजह माना जा रहा है। तीनों लोगों के शव घर के बाहर मिले हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गाजीपुर एसपी डॉ। ईरज राजा, एसपी सिटी ज्ञानेंद्रनाथ प्रसाद समेत कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई है। घटनास्थल की घेराबंदी कर छानबीन शुरू कर दी गई है। फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई है।

गाजीपुर जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डीलिया में रविवार को सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दोपहर लगभग 1 बजे एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, घटना में शिवराम यादव (65 वर्ष), उनकी पत्नी जमुनी देवी (60 वर्ष) और बेटी कुसुम देवी (36 वर्ष) की हत्या की गई है। हत्या का आरोप बेटे अभय यादव (40 वर्ष) पर लगा है। पुलिस के अनुसार यह विवाद जमीन को लेकर हुआ। पुलिस अधीक्षक इरज राजा ने मीडिया को बताया कि मृतक ने कुछ संपत्ति अपनी बेटी के नाम की थी जिससे की आरोपी बेटा नाराज था।

जनता और शासन के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं जनप्रतिनिधि: मुख्यमंत्री

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के विधायकों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। यह बैठक केवल विकास परियोजनाओं की समीक्षा का मंच नहीं थी, बल्कि यह लोकतंत्र की उस जीवंत परंपरा का प्रमाण थी, जिसके तहत शासन और जनता के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी %जनप्रतिनिधियों% के माध्यम से मुख्यमंत्री जन आकांक्षाओं से मुखातिब हो रहे थे। मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई मंडलवार संवाद शृंखला की कड़ी में इस बार कानपुर मंडल के छह जनपदों (कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा और औरैया) के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री ने संवाद की शुरुआत प्रत्येक सांसद एवं विधायक से सीधे संवाद करते हुए की। उन्होंने उनके निर्वाचन क्षेत्रों की जमीनी परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही साथ यह सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है। बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई, जिनकी अनुमानित लागत ₹10,914 करोड़ आंकी गई है। इन कार्यों में सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाईपासों, इंटर-कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक रोड, सिंगल कनेक्टिविटी, धार्मिक स्थलों के विकास, सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव सम्मिलित हैं। इनमें सबसे अधिक कार्य कानपुर नगर में प्रस्तावित किए गए हैं, जहाँ ₹5,006 करोड़ की लागत से 426 योजनाएं प्रस्तुत हुई हैं।

20 वाहनों को रौंदता चला गया ट्रक, एक की मौत

एजेंसी

मुंबई। पुणे एक्सप्रेसवे पर शनिवार को भीषण हादसा हो गया। यहां एक अनियंत्रित कंटेनर ट्रेलर ट्रक 18 से 20 वाहनों को रौंदता चला गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई है जबकि 19 से 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक ट्रक ने जिन वाहनों को टक्कर मारी है उनमें कई बीएमडब्लू और मर्सिडीज लग्जरी कारें भी शामिल थीं। हादसा खोपोली पुलिस स्टेशन के अंतरगत रायगढ़ जिले में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ब्रेक फेल होने की वजह से ट्रक अनियंत्रित हो गया था। इसके बाद वह कारों को टक्कर मारता और रौंदता चला गया। अधिकारी ने बताया कि घायलों को नवी मुंबई के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। खोपोली पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। मेडिकल जांच में पता चला है कि ट्रक चलाने के दौरान उसने शराब नहीं पी रखी थी। हादसे को लेकर एक केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है। इस हादसे के बाद मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर दत्ता फूड मॉल के पास लगभग पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बता दें कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे भारत का सबसे व्यस्त रहने वाला एक्सप्रेसवे है। इसपर से रोज लगभग डेढ़ से दो लाख वाहन गुजरते हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इस हादसे में तीन वाहन पूरी तरह से कुचल गए हैं।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को नहीं लगे 22 मिनट: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय दिवस-25 कार्यक्रम में हुए शामिल

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। पाकिस्तान और उसके आतंकवाद ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों को अपना शिकार बनाया। वहीं भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी कैंप को तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा। भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। फिर अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय शहीद दिवस-25 कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग सत्ता में आने के बाद परिवारवाद के सहारे जातिवाद से सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने का काम करते हैं। जब भी हम ऐसी प्रवृत्ति के लोगों के चंगुल में फंसते हैं, हमे बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। हमारे पास योद्धाओं, वैभव और बुद्धि की कमी नहीं है, लेकिन उस दौरान कुछ लोगों ने अपने हित के लिए देश को बांटने का काम किया, जिससे देश गुलाम हुआ। आज भी कुछ राजनीतिक दल बांटने का काम कर रहे हैं। उस दौरान भी विभाजन हमारी कमजोरी था। फिर से हमें विभाजन से बचने की आवश्यकता है। हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। सीएम ने कहा कि कारगिल विजय दिवस का संदेश भी यही है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपना बलिदान दिया है, उनकी प्रेरणा यही है कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के माध्यम से ही एक सशक्त और समर्थ भारत की परिकल्पना को साकार करें।

भारी बारिश से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में तबाही

कई मकान मलबे में दबे, दर्जनभर वाहन क्षतिग्रस्त

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। शुक्रवार रात अगस्त्यमुनि क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से भारी तबाही मची। बगरधार में चार मकान मलबे में दब गए, जबकि एक दर्जन से अधिक घरों में मलबा घुस गया। नाकोट व बैंक कालोनी में भी कई घरों में पानी घुस गया। वहीं धान्यू में भी एक दर्जन आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा है। आपदा की क्षति का आकलन के लिए राजस्व व नगर पंचायत की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में गईं। शुक्रवार रात्रि पूरी केदारघाटी में तेज वर्षा के साथ ही अतिवृष्टि हुई। इससे अगस्त्यमुनि नगर पंचायत व आस-पास के क्षेत्रों में भारी तबाही मची। रूमसी में अतिवृष्टि से सैकड़ों कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है, जबकि आस-पास के क्षेत्र गिंवाली व सौडी, सिलकोट क्षेत्र में भी तेज वर्षा से भारी नुकसान हुआ। कई घरों की सुरक्षा दीवार, गोशालाएं, पेयजल लाइन, सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त हो गईं।

एक दर्जन घरों में घुसा मलबा व पानी नगर पंचायत अगस्त्यमुनि व चमेली ग्राम सभा में बगरधार में देर रात अतिवृष्टि से यहां एक दर्जन घरों में मलबा व पानी घुस गया, जिससे कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। चार आवासीय भवन मलबे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। राजस्व विभाग की टीम और नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गोस्वामी, सभासद सोनिया सजवाण ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया।

सात साल बाद गिरफ्त में आए तीनों भगोड़े

घर खरीदारों से धोखाधड़ी और जालसाजी कर एकत्रित किए थे 1000 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटरों और पूर्व निदेशक रमन पुरी, वरुण पुरी व विक्रम पुरी को 22 जुलाई को एक रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी 7 साल से भी अधिक समय से फरार थे। उनके खिलाफ अदालती समन जारी हुआ था। विभिन्न अदालतों द्वारा उन्हें संबंधित मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था। बाद में दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को न्यायालय द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट के आधार पर ईडी के विशेष न्यायालय, गुरुग्राम के समक्ष पेश किया गया। तीनों आरोपियों को 29 जुलाई तक तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है।

ईडी ने दिल्ली एनसीआर में मेसर्स यूनिवर्सल बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड, रमन पुरी, विक्रम पुरी और वरुण पुरी के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज 30 से अधिक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। आरोप था कि इन्होंने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा नहीं किया। घर खरीदारों या निवेशकों को धोखा दिया गया। कंपनी को सीआईआरपी कार्यवाही में ले जाया गया, जिसके परिणामस्वरूप घर खरीदारों या अन्य एफसी की समाधान योजना को स्वीकार कर लिया गया। एनसीएलटी ने कुछ परिसंपत्तियों को घर खरीदारों, जो वित्तीय लेनदार थे, को सौंपने और शेष परिसंपत्तियों को समाप्त करने का आदेश दिया।

ईडी के मुताबिक, अधिकांश घर खरीदारों ने 2010 से पहले अपने फंड का निवेश किया था। पूर्व प्रमोटरों द्वारा परियोजनाओं को पूरा न करने के कारण घर खरीदारों को अपने फ्लैट या स्थानों को कब्जे में लेने में और समय लगेगा, जिन्होंने 2010 से निर्माण रोक दिया था।

उक्त कंपनियों को 2010 तक परियोजना पूरी करने के झूठे वादों के आधार पर और व्यावसायिक परियोजनाओं में सुनिश्चित रिटर्न का वादा करके ऋण दिया था। गिरफ्तार व्यक्तियों पर जालसाजी और धोखाधड़ी के माध्यम से विभिन्न वित्तीय संस्थानों को धोखा देने का भी आरोप है। उन्होंने कुछ संपत्तियों को नगण्य दरों पर हस्तांतरित किया, मौजूदा इन्वेंट्री को बढ़ा-चढ़ाकर बेचा और अपने निजी लाभ के लिए जाली समझौते किए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से अब्दुल्ला आजम को झटका

- फर्जी पासपोर्ट मामले में दोनों याचिकाएं खारिज
- विधायक आकाश सक्सेना ने दर्ज कराया था मुकदम

करण वाणी न्यूज

प्रयागराज। सपा नेता और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। फर्जी पासपोर्ट और दो पैन कार्ड मामले में दायर उनकी दोनों याचिकाओं को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने एक जुलाई को दोनों पक्षों की बहस सुनन के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को अदालत ने फैसला सुनाया। इस मामले में रामपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी।

अब्दुल्ला आजम खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दो अलग-अलग मामलों में दो याचिकाएं

दाखिल की थीं। पहला मामला फर्जी पासपोर्ट से जुड़ा था, जबकि दूसरा मामला दो पैन कार्ड बनवाने से जुड़ा है।दोनों ही मामलों में अब्दुल्ला आजम खान ने याचिकाएं दाखिल कर रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे ट्रायल में सम्पूर्ण कार्रवाई को रद्द करने के लिए की गुहार इलाहाबाद हाईकोर्ट से लगाई थी। गलत जन्म तिथि पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने के मामले में भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को अब्दुल्ला आजम खान के खिलाफ गलत दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने का मुकदमा रामपुर के सिविल लाइन थाने में आईपीसी की धारा 468, 420,471, 467 और भारतीय पासपोर्ट अधिनियम, 1920 की धारा 12(1ए) में मुकदमा दर्ज कराया था।

वॉटर बम बनाने पर अड़ गया चीन

मेगा डैम का काम शुरू करने के बाद बोला- किसी को कोई खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन ने हाल ही में भारतीय सीमा के नजदीक ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से मेगा डैम का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट को दुनिया सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट माना जा रहा है। चीन की इस हाइड्रो इलेक्ट्रीसिटी परियोजना ने भारत और बांग्लादेश जैसे देशों में चिंताएं पैदा कर दी हैं। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू इस बांध को 'वॉटर बम' का नाम भी दे चुके हैं। हालांकि चीन इस प्रोजेक्ट पर अड़ गया है। दुनियाभर के विशेषज्ञों द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद हाल ही में चीन ने इसके निर्माण का बचाव किया है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा के सटे इस डैम परियोजना का बचाव

करते हुए कहा है कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना उसके संप्रभु अधिकारों के अधीन है और इससे भारत या बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों के देशों को कोई नुकसान नहीं होगा। बुधवार को चीन में विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया है। बयान में मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुंग ने कहा, ÷यारलुंग जंगबो नदी के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना का निर्माण पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के भीतर है।÷ ब्रह्मपुत्र नदी को चीन में यारलुंग जंगबो के नाम से जाना जाता है। उन्होंने आगे कहा, इस परियोजना का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा पैदा करना, स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार लाना और जलवायु परिवर्तन पर सक्रिय रूप से काम करना है। चीन की ओर से आगे कहा गया कि परियोजना के पूरा होने पर, यह नदी के आस पास आपदाओं को रोकने और कम करने में मदद मिलेगी और निचले इलाकों पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इससे पहले चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने हाल ही में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की है। जानकारी के मुताबिक इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस जल विद्युत स्टेशन से हर साल करीब 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मुख्यमंत्री ने की भेंट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज राजभवन पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज 27 जुलाई को राजभवन में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

युवक की गला रेतकर हत्या की कोशिश

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के भीलमपुर गांव में एक दबंग व्यक्ति ने एक मजदूर पर जानलेवा हमला किया है। शनिवार की देर रात हुई इस घटना में आरोपी ने मजदूर का चाकू से गला रेतने का प्रयास किया। हमले के बाद मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस तरह के हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि ग्राम भीलमपुर के अमित विमल और हरिकेश विमल पर गांव के ही लवली ने चाकू से हमला किया। अमित के गले और हरिकेश के कमर पर वार किया। दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया गया। आरोपी की तलाश की जा रही है। घटना पुरानी रंजिश में हुई है।

पांच लाख रुपये बढ़ी निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दर्जनभर निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस में बढ़ोतरी हो गई है। यह बढ़ोतरी डेढ़ से पांच लाख रुपये तक की गई है जबकि कुछ कॉलेजों की फीस पिछले वर्ष की ही रहेगी। प्रदेश में 31 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने गैर अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों की फीस निर्धारित कर दी है। फीस बढ़ोतरी के पीछे कॉलेजों में संसाधन बढ़ाने का तर्क है। यह बढ़ोतरी डेढ़ से पांच लाख रुपये तक की गई है।अब निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस 12 से 19 लाख के बीच हो गई है। नॉन एसी हॉस्टल की फीस पहले 1.65 लाख थी, उसे 1.73 लाख रुपये प्रतिवर्ष कर दिया है। एसी हॉस्टल की फीस 1.92 लाख से बढ़ाकर 2.02 लाख रुपये कर दी है।सिक्योरिटी राशि पूर्व की तरह तीन लाख और विधिक शुल्क 94160 रुपये रखा गया है।चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से निर्देश है कि शैक्षणिक शुल्क एकमुश्त जमा नहीं कराया जाएगा। हर मेडिकल कॉलेज में शुल्क प्रतिवर्ष जमा किया जाएगा।प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस एक लाख से कम है। केजीएमयू में करीब 54 हजार सालाना है। अन्य राजकीय मेडिकल कॉलेजों की फीस भी 30 से 50 हजार के बीच है। हास्टल फीस करीब 40 से 50 हजार के बीच है।

तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी को मारी टक्कर, दादा-पोते की मौत

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फसिटी थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी सवार दादा-पोते को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत पीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर-2 पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मस्तेमऊ निवासी बंशी लाल यादव (65) अपने पोते अंश यादव (15) के साथ रविवार दोपहर को अपनी बेटी के घर माईजी का पुरवा गांव में त्योहारी देने गए थे। वापस लौटते समय करीब 3 बजे किसान पथ पर अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

एग्रीमेंट के बाद दूसरे को बेच दी जमीन

मोहनलालगंज। गोसाईंगंज के सलेमपुर निवासी अर्जुन सिंह ने दादी सावित्री देवी के साथ बहरौली में अनिल कुमार की जमीन का एग्रीमेंट किया। इसके बाद अनिल ने जमीन एक कंपनी को बेच दी। पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने जमीन खरीदने-बेचने वाले के साथ गवाहों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अर्जुन सिंह ने बताया कि उन्होंने शिवपुरा निवासी अनिल कुमार से जमीन का एग्रीमेंट 21 अक्टूबर 2023 को कराया था। जमीन मालिक अनुसूचित जाति के थे तो उन्होंने डीएम से अनुमति लेने के बाद जमीन का बैनामा करने की बात कही थी। बाद में अनिल ने जमीन आर इन्फ्राटेक के प्रोपराइटर ऋषि सिंह निवासी सुशांत गोल्फ सिटी के हाथों 10 फरवरी 2025 को बेच दिया। पीड़ित ने गोसाईंगंज थाने पर शिकायत की लेकिन सुनवाई न होने पर पुलिस आयुक्त से शिकायत की। जिसके बाद मोहनलालगंज पुलिस ने अर्जुन सिंह की तहरीर पर अनिल कुमार, ऋषि सिंह व गवाह कल्याणखेड़ा के दिग्विजय सिंह व शिवपुरा निवासी नरेश कुमार के खिलाफ दर्ज किया है।

पति 14 वर्ष से लापता, सम्पत्ति पर छांगुर के गुर्गों का कब्जा

लखनऊ। छांगुर की गिरफ्तारी के बाद एक-एक कर उसके काले कारनामें सामने आ रहे हैं। दशकों से चल रहे उसके नेटवर्क में फंसकर लोग अपनी सम्पत्ति खो चुके हैं। वहीं एक लड़की को छांगुर के कारीबियों ने जाल में फंसा कर उसका धर्मांतरण कराया और गायब कर दिया। छांगुर और उसके गुर्गों से पीड़ित एक महिला व एक पुरुष ने रविवार को गोमती नगर स्थित विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में आप बीती बताई। 15 वर्ष से शीला की 26 बीघा जमीन पर छांगुर के चेले का कब्जा बलरामपुर के तुलसीपुर से आई पीड़िता शीला देवी ने बताया 15 वर्ष पहले छांगुर का चेला हारून ने उनकी 26 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया था। पति 14 वर्ष से लापता हैं। उन्होंने बताया कि एक दिन हारून के साथ छांगुर के लोग घर आये और धर्म बदलने का दबाव बनाया। बोले कि धर्म बदल लो तो हम तुम्हारी प्रॉपर्टी वापस कर देंगे। धर्म परिवर्तन से मना करने के बाद उनके अत्याचार बढ़ गए। इस दौरान पति रहस्यमय ढंग से लापता हो गए। उन्होंने बताया कि 14 वर्ष से उनके पति गायब हैं। शीला का आरोप है कि छांगुर और हरून ने उनके पति की हत्या लखनऊ में कर दी है। एफआईआर दर्ज कराई थी। बहुत पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। वह बताती है कि तीन बेटियों और एक बेटे के साथ वह तुलसीपुर में किराये पर रह रही हैं। क्षेत्र में छांगुर का दबदब है हम सभी उससे डरते हैं। बहलाफुसला कर बेटी का कराया धर्मांतरण बलरामपुर के महुआ ढाल, बिलरिया से आए रघुनाथ निषाद ने आरोप लगाया कि नौ महीने पहले छांगुर से जुड़े मुबारक अली नाम के एक व्यक्ति ने उसकी बालिग बेटी को बहला-फुसला कर भगा ले गया और उसका धर्मांतरण करा दिया है। मुबारक उसके पड़ोस में रहता है। रघुनाथ ने बताया कि एफआईआर के बाद पुलिस बेटी को तलाश लिया। बयान दर्ज हुए और उसके बाद फिर उनके साथ चली गई। उनका आरोप है कि एफआईआर में उन्होंने धर्म परिवर्तन होने की बात लिखी थी, लेकिन पुलिस ने धर्मांतरण की धाराओं में केस दर्ज नहीं किया। उन्होंने धर्मांतरण के मामले में दोषी लोगों पर कार्रवाई किए जाने और बेटी उन्हें सौंपे जाने की मांग की है। मिल रहीं धमकियां, पुलिस ने नहीं दर्ज की रिपोर्ट विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि संगठन को लगातार कई पीड़ितों से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि इन खुलासों के बाद उन्हें स्पीड पोस्ट और फेसबुक पर धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि वह पुलिस से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगा चुके हैं।

घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या, ईंट से कूचकर उतारा मौत के घाट

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के पकरा गांव में रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने मामूली विवाद के बाद अपनी पत्नी (25) की ईंट से कूचकर हत्या कर दी। मौके पर पहुंचीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

24 जुलाई को आरोपी आया था गांव: जानकारी के अनुसार, आरोपी पति रवि अपने सास-ससुर के साथ चंडीगढ़ में मजदूरी करता था। वह 24 जुलाई को ही गांव आया था। ग्रामीणों के मुताबिक, आरोपी रवि अपने बीमार बहनोई को देखने के लिए गांव आया था और कुछ दिनों से यहीं रुका हुआ था। रविवार को रवि और उसकी पत्नी सीमा के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि रवि ने गुस्से में आकर सीमा के सिर पर ईंटों से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घटना के समय उनकी चार साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी। पड़ोसियों ने बताया कि घर में तेज आवाज में गाना बज रहा था, जिसकी वजह से झगड़े की आवाज किसी को सुनाई नहीं दी।

घटना के बाद आरोपी फरार: ग्रामीणों के मुताबिक, यह मंजर देखकर बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोग घर की ओर दौड़े। अंदर का नजारा देखकर वे सन्न रह गए। पूरा घर खून से सना हुआ था और सीमा गंभीर रूप से घायल पड़ी थी। घटना के बाद आरोपी रवि मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने तुरंत सीमा को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। हालांकि, इलाज के दौरान सीमा ने दम तोड़ दिया। मृतका सीमा (25) उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के तलवा पिचवारा की रहने वाली थी और अपने परिवार के साथ पकरा गांव में रह रही थी। थाना माल प्रभारी नवाब अहमद ने बताया कि पति ने झगड़े के बाद पत्नी की हत्या कर दी और मौके से भाग निकला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी गई हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

थार ड्राइवर को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, ईंट-लाठी से गाड़ी तोड़ी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में दबंगों की खुलेआम गुंडई का एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। रविवार दोपहर बीच सड़क पर कुछ युवकों ने एक थार गाड़ी को रोककर पहले चालक की बेरहमी से पिटाई की। फिर गाड़ी को ईंट से बुरी तरह से तोड़ डाला। गाड़ी के शीशे चकनाचूर कर दिए। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें साफदेखा जा सकता है कि कुछ युवक थार चालक को घेरकर पीट रहे हैं। उसकी गाड़ी पर लाठी-ईंट बरसा रहे हैं। घटना स्थल से महज कुछ मीटर की दूरी पर पुलिस बूथ होने के बावजूद कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पूरी घटना चंद मिनट में हो गई। पीड़ित युवक खुद को बचाने की कोशिश करता रहा, लेकिन हमलावरों ने उस पर कोई रहम नहीं दिखाया। गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए। सड़क पर बेखौफ होकर उत्पात मचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पारा क्षेत्र में दबंग लंबे समय से सक्रिय हैं। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। पुलिस की निष्क्रियता से दबंगों का हौसला बढ़ता जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने अब वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू करने की बात कही है। पारा थाना प्रभारी के अनुसार, पीड़ित की तहरीर मिल गई है। जल्द ही केस दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। फिलहाल सभी हमलावर फरार हैं। पुलिस उनकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। वहीं, घटना के बाद इलाके के लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर पुलिस सक्रिय होती तो इस तरह की वारदात नहीं होती।

दवा विक्रेता पदाधिकारियों प्रमाण पत्र दिए

लखनऊ। दवा विक्रेता वेलफेयर समिति का पांचवां स्थापना दिवस अध्यक्ष विनय शुक्ला की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ महामंत्री अमित शुक्ला के संचालन में केक काटकर मना। साउथ सिटी में हुए समारोह में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को प्रमाणपत्र दिया गया। समिति के मीडिया प्रभारी सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि समारोह में चेयरमैन विनोद भावनानी, कार्यवाहक अध्यक्ष अमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मो. सलमान, वरिष्ठ संगठन मंत्री इंद्रेश सिंह, महामंत्री सुरेंद्र मिश्रा, परेश शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित मोहन मिश्रा, नितिन टंडन, अमित राय गुप्ता, मोहन कुमार, विपुल भाटिया, अमित सक्सेना, अरविंद गुप्ता, राकेश सोनकर, शैलेंद्र मिश्रा, मनीष शर्मा, मनोज, अरुण गौरभारी आदि रहे।

युवक ने खेत में किया सुसाइड, दो लोगों पर लगाए आरोप

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ के बाजूपुर गांव में रविवार को एक युवक ने खेत में सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले युवक ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक ने दो लोगों पर जमीन हड़पने और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उसने वीडियो में कहा है कि जमीन हड़पी जाने से वह मानसिक रूप से टूट चुका है। अब उसके जीने का कोई मतलब नहीं है। घटना बीबीडी थाना क्षेत्र के बाजूपुर गांव की है, जहां रहने वाले अभय नामक युवक ने शनिवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। खुदकुशी से पहले अभय ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने स्पष्ट रूप से कहा कि उसकी जमीन हड़प ली गई है और अब उसके पास जीने का कोई रास्ता नहीं बचा है। वीडियो में अभय ने जितेंद्र सिंह और सत्येंद्र सिंह नामक दो लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने मिलकर उसकी जमीन हड़प ली और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। वीडियो में भावुक होते हुए अभय कहता है- ÷मेरी पुश्तैनी जमीन छीनी जा रही है, मैं हर जगह गया लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। अब जीने का कोई मतलब नहीं रह गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बीबीडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो को जांच में शामिल किया जा रहा है और नामजद आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। बाजूपुर गांव में इस घटना के बाद शोक और तनाव का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि वीडियो में नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अभय को न्याय दिलाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि अभय लंबे समय से मानसिक तनाव में था और जमीन को लेकर न्याय की गुहार लगा रहा था, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। सुसाइड से पहले रिकॉर्ड किए वीडियो में अभय ने अपनी आत्महत्या के लिए दो व्यक्तियों जितेंद्र सिंह और सत्येंद्र सिंह को जिम्मेदार ठहराया।

सिपाही की पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बीकेटी थाने में तैनात सिपाही अनुराग सिंह की पत्नी सौम्या कश्यप ने तीज हरियाली त्यौहार के दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले सौम्या ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसने पति अनुराग सिंह और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सौम्या ने वीडियो में कहा कि उसके साथ लगातार मारपीट की जाती थी और मानसिक उत्पीड़न भी झेलना पड़ता था। उसने यह भी आरोप लगाया कि पति ने दूसरी शादी कराना चाहते हैं, जिससे वह पूरी तरह टूट चुकी थी। सौम्या ने आत्महत्या से पहले भी एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें वह अपने हाथों की मेंहदी दिखा रही है।

वायरल वीडियो में सौम्या रोते हुए कह रही है, ÷ये लोग दूसरी शादी कराना चाहते हैं। जीजा संजय रायबरेली में पीएसी में है। वहीं भाई रणजीत एडवोकेट है। कहता है कि इसे बचा लेंगे...ये लोग मुझे टॉर्चर करवाते हैं। ये लोग मारते-पीटते हैं। दहेज के लिए भी परेशान करते हैं। अगर मैं मर जाऊं तो मेरी एक ही प्रार्थना है कि इन लोगों को भी नहीं छोड़ा जाए। योगी और मोदी जी कहते हैं कि बेटियां पढ़ाओ-बेटियां बचाओ लेकिन बेटियां कहीं सुरक्षित नहीं हैं। कुछ नहीं होता इन लोगों का, कोई न्याय नहीं है। इन लोगों के पैसा है कुछ भी कर सकते हैं। मैं थाने भी गई, हर जगह जाकर थक गई। मुझे टॉर्चर करके मरने पर मजबूर कर दिया है। खुदकुशी करने से पहले सौम्या ने इंस्टाग्राम पर हरियाली तीज से कुछ घंटे एक और वीडियो पोस्ट किया जिसमें उसने हाथों पर मेंहदी लगाए हुए दिखा रही है। वहीं बैकग्राउंड में सैयारा फिल्म का गाना बज रहा है। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में सौम्या रोते हुए नजर आ रही है। साथ ही वह अपने चेहरे और हाथ पर लगे घाव दिखा रही है। सौम्या ने रोते हुए और उदास कई वीडियो अपलोड किए हैं।

भरवारा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बदहाल, स्थानीय लोगों ने चलाया स्वच्छता अभियान

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के भरवारा क्षेत्र में फैली गंदगी और नगर निगम की उदासीनता के खिलाफस्थानीय नागरिकों ने आज स्वच्छता का बिगुल बजा दिया। समस्या समाधान परिवार और जीवन की ज्योति ट्रस्ट के सदस्यों ने नगर निगम कर्मचारियों के सहयोग से एक सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान क्षेत्र की सफाई व्यवस्था में लगातार हो रही अनदेखी के विरोध में आयोजित किया गया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वे लंबे समय से नगर निगम से सफाई की नियमित व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। महीने में मुश्किल से एक बार सफाईकर्मी आते हैं और फिर काम ठप हो जाता है,एक निवासी ने बताया। स्थानीय लोगों का कहना हैं, कि भरवारा क्षेत्र को वर्ष 2020 में नगर निगम की सीमा में शामिल किया गया था। इसके बावजूद आज भी यहां नालों की नियमित सफाई नहीं होती और स्ट्रीट लाइट्स जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। हालांकि, आज के सामूहिक अभियान के बाद कुछ सफाईकर्मी मौके पर पहुंचे, जिसे स्थानीय नागरिक प्रशासन की तरफ से सक्रियता की शुरुआत मान रहे हैं। अभियान में भाग लेने वाले प्रमुख लोगों में किशोर दे, भारत शर्मा, अर्जुन यादव, मोजेस परमार, पंकज यादव, संदीप शुक्ला, संजय मुखर्जी, अदिति मुखर्जी, समीर राय और पीयूष सरसाद शामिल रहे। इनके साथ अन्य कई जागरूक नागरिकों ने भी स्वच्छता अभियान में भाग लिया।स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर निगम नियमित रूप से सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दे।

बॉल उठाने गया बच्चा ट्रांसफॉर्मर से चिपका

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 8 साल के बच्चे की बिजली के ट्रांसफॉर्मर में चिपकने से मौत हो गई। वह क्रिकेट की बॉल उठाने गया था। ट्रांसफॉर्मर का गेट खुला होने की वजह से बिजली की चपेट में आ गया। यह देखकर वहां खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया। शोर सुनकर स्थानीय लोग जुट गए। लोगों ने कड़ी मशक्कत करके उसे ट्रांसफॉर्मर से अलग किया। उसका चाचा उसे गोद में उठाकर हॉस्पिटल के लिए भागे। पार्क के पास खड़े ऑटो से उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार को फूल बाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी में हुई। बच्चे की पहचान मो. फहद के रूप में हुई। लोगों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर पार्क में जमीन पर रखा है। उसका गेट काफी दिनों से खुला है। बिजली विभाग से गेट सही कराने की कई बार मांग की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अफसरों की लापरवाही से बच्चे की जान चली गई। विधायक रविदास मल्होत्रा पीड़ित परिवार से मिले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कॉलोनी के बच्चे रोज की तरह पार्क में खेल रहे थे। क्रिकेट का बॉल ट्रांसफॉर्मर के पास चला गया। गेट खुला होने के कारण बच्चा ट्रांसफॉर्मर के पास तक पहुंच गया। अचानक तेज झटके के साथ वह उसमें चिपक गया। घटना के बाद पार्क में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर बच्चे को ट्रांसफॉर्मर से अलग किया और तुरंत पास के हॉस्पिटल ले गए। स्थानीय निवासियों में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष है। अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फहद के पिता सऊदी अरब में हैं। परिजनों ने फोन करके उन्हें घटना की जानकारी दी। वीडियो कॉल से उन्हें बेटे का चेहरा दिखाया। इस दौरान फहद के पिता और परिजन रोते-बिलखते रहे। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया है। स्थानीय पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने के लिए दबाव बना रही है। तीन भाइयों में फहद सबसे बड़ा था। उससे छोटे दो भाई फरहान और अजान हैं। अधिशासी अभियंता हुसैनगंज अनिल कुमार भारती ने बताया कि हुसैनगंज खंड के 33/11 केवी विधानसभा उपकेंद्र के नजरबाग फीडर पर शंकरपुरी कॉलोनी में 400 केवीए ट्रांसफॉर्मर लगा है। उसके चारों ओर बैरिकेडिंग है। आज उसमें एक गेंद चली गयी। 8 साल का बच्चा बैरिकेडिंग का गेट खोलकर गेंद उठाने अंदर चला गया। उसको फ्यूज यूनिट से करंट लग गया। उसकी अस्पताल में मौत हो गई।

खून से लिखा मुख्यमंत्री योगी को पत्र

> छात्र कांवड़ियों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के बैनर तले गोंडा से आए छात्र कांवड़ियों ने रविवार को ईको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखा। मौके पर पहुंचे दरोगा ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र लिया। निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर गुरुवार को गोंडा से छात्र कांवड़िये निकले थे। पैदल लखनऊ पहुंचकर बीबीडी के पास एक अपार्टमेंट में विश्राम किया था। शनिवार सुबह 10 बजे सीएम आवास के पास बोतलों में सरयू का जल लेकर पहुंचे थे। वे सीएम योगी को जल चढ़ाना चाहते थे। सीएम आवास के बाहर पुलिस ने उन्हें टांग-टांगकर बस में ठूंस कर इको गार्डन पहुंचा दिया था। छात्र कावड़ियों ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने उंगली तोड़ दी और गर्दन दबाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र सामने आया है। जिसे राष्ट्रीय छात्र पंचायत के अध्यक्ष शिवम पांडेय ने अपने खून से लिखा है। इस पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल से मिलने का अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा है कि उनकी सिर्फइतनी मांग है कि प्रदेश सरकार मानसून सत्र में फीस नियंत्रण कानून (फीस रेगुलेशन बिल) लाए। जिससे स्कूलों द्वारा हर साल ड्रेस, बस, और अन्य मदों के नाम पर की जा रही वसूली पर रोक लग सके। पत्र में लिखा गया है ÷हम गोंडा से जल लेकर मुख्यमंत्री आवास तक इसलिए आए थे, ताकि शिक्षा के अधिकार के लिए बात कर सकें। लेकिन हमें वहां से पीटकर इको गार्डन भेज दिया गया। शिवम पांडेय ने कहा, ÷हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवान मानते हैं। इसलिए पैदल चलकर उनके पास आए। पुलिस ने हमें पीटा। हमारी उंगलियां तोड़ीं। गर्दन दबाई और हमें बस में ठूंसकर ले गए। क्या मैं कोई आतंकवादी हूं? क्या मेरे पास हथियार था? मैं तो सिर्फ जल लेकर आया था अपने भगवान को चढ़ाने के लिए। छात्रों का कहना है कि जहां बाकी प्रदेश में कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा होती है, वहीं उन्हें लाठियां दी गईं। छात्र नेता शिवम ने कहा,÷हमारे ज्ञापन समोसे के नीचे दबा दिए जाते हैं। अफसर हमारी आवाज नहीं सुनते। अब मेरी अंतिम इच्छा यही है कि मुख्यमंत्री से मिलूं और उनके चरण छूकर शिक्षा के हक की बात रखूं। धरने में मौजूद राज्य संयोजक राजेश मौर्य ने बताया कि पूरे प्रदेश में निजी विद्यालय खुलेआम लूट कर रहे हैं। सरकार आंखें मूंदे बैठी है। अधिवक्ता अमन बहादुर सिंह ने कहा,÷यह लोकतंत्र की हत्या है। शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रखने आए छात्रों को पीटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हम अधिवक्ता राष्ट्रीय छात्र पंचायत के साथ अंतिम लड़ाई तक खड़े हैं।

दुबग्गा में चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना

काकोरी। दुबग्गा के आम्रपाली योजना में शनिवार तड़के बंद घर से चोरों ने तीन लाख के जेवर व 16 हजार रुपए बटोर ले गए। वहीं, चोर दुबग्गा कोतवाली के पास पान की गुमटी का ताला तोड़कर सामान पार कर ले गए। दुबग्गा पुलिस दोनों मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्नाव के औरास निवासी बस ड्राइवर आशुतोष अवस्थी के मुताबिक शुक्रवार को भाई सोनल बालागंज स्थित बहन के घर चला गया था। शनिवार सुबह वह घर पहुंचा तो ताला टूटा पड़ा था। अलमारी में रखे तीन लाख रुपए कीमत के जेवर व 16 हजार रुपए नगदी गायब थे। उधर, चोर घाटी निवासी शिशुपाल दुबग्गा में हरदोई रोड पर दुबग्गा कोतवाली से कुछ दूरी पर पान की गुमटी चलाते हैं। शिशुपाल के मुताबिक शनिवार रात रॉड से पान मसाले की गुमटी का गेट तोड़कर पांच हजार रुपए नकदी व बीस हजार की सिगरेट चोरी कर ले गए।

केजीएमयू में महिलाओं के लिए अलग कैंसर रोग विभाग

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। केजीएमयू ने महिलाओं के कैंसर के इलाज के लिए रविवार को स्त्री रोग सम्बंधी (गायनीकोलॉजिकल) आंकोलॉजी विभाग शुरू हुआ। कलाम सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में केजीएमयू कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने इसका उद्घाटन किया। डॉ. नित्यानंद ने बताया कि महिलाएं तेजी से कैंसर की चपेट में आ रही हैं। इनके इलाज के लिए अलग विभाग शुरू किया गया है। गायनीकोलॉजिकल आंकोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. निशा सिंह ने बताया कि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को इलाज मुहैया कराया जाएगा। आगे विभाग में एमसीएच पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। पांच साल में कराएं सर्वाइकल कैंसर की जांच डॉ. निशा सिंह ने कार्यशाला में बताया कि 25 से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला को हर पांच वर्ष में सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूर करानी चाहिए। शुरू में पता चलने पर सर्वाइकल कैंसर का इलाज संभव है। उन्होंने बताया कि देश में हर साल सर्वाइकल कैंसर के करीब 1.25 लाख नए मामले दर्ज होते हैं। करीब 77 हजार की इससे मौत हो जाती है। ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण इसका अहम कारण है। महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर मुख्यता ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के कारण होता है। यह वायरस एक सामान्य यौन संचारित संक्रमण है।

पोस्टर पर स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदलते: भाजपा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि पोस्टर पर स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदला करते। समाजवादी पार्टी की राजनीति ही धर्म पर टिकी है। दरअसल, सपा कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर को लेकर भाजपा ने उन पर निशाना साधा है जिसमें कहा गया है कि अखिलेश यादव कभी घृणा की राजनीति नहीं करते। पोस्टर पर यह भी लिखा है कि वह मंदिर और मस्जिद पर राजनीति नहीं करते। भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि, पोस्टर में स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदला करते। समाजवादी पार्टी की राजनीति ही धर्म पर टिकी है। जिस तरह से मस्जिद में जाकर अखिलेश ने राजनीति को धर्म से जोड़ने की कोशिश की थी वह किसी से छिपा नहीं है। उनके साथ उनकी पत्नी डिंपल यादव भी मस्जिद गई थीं जिसको लेकर मौलानाओं की तरफसे सवाल खड़े किए गए। भाजपा प्रवक्ता शुक्ला ने कहा कि, संसद परिसर के पास हुई बैठक में मौजूद सपा सांसद और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के पहनावे, उनके संस्कार , और मस्जिद में जाने पर मौलाना ने सवाल उठाते हुए माफी मांगने का निर्देश दिया। ऐसा कोई सवाल कोई हिंदू पुजारी उठा देता तो अखिलेश यादव सहित समाजवादी पार्टी की पूरी ट्रोल आर्मी हिन्दू समाज को कटघरे में खड़ा कर देती मगर सवाल वोट बैंक ने पूछा है इसलिए पूरा सन्नाटा छा गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले दिल्ली में संसद भवन के पास स्थित एक मस्जिद में अपने सांसदों के साथ बैठक कर अखिलेश विवादों में घिर गए थे।

बिजली सिर्फ सेवा नहीं आम आदमी की जरूरत

ट्रिपिंग, ओवरबिलिंग और अनावश्यक बिजली कटौती नहीं चलेगी: योगी

मुख्यमंत्री ने लिया बिजली आपूर्ति की फील्ड रियलिटी का लेखा: जोखा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था अब केवल तकनीकी या प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि जनता के भरोसे और शासन की संवेदनशीलता का पैमाना बन चुकी है। उन्होंने अफसरों को दो टूक शब्दों में कहा कि ट्रिपिंग, ओवरबिलिंग और अनावश्यक कटौती अब किसी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। सुधार करना ही होगा। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जून में उत्तर प्रदेश ने रिकॉर्ड 31,486 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग पूरी की। इस अवधि में 16,930 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई। लगातार बढ़ रही उमस ह्यूमिडिटी और तापमान ने खपत को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाया, इसके बावजूद शहरी क्षेत्रों में औसतन 24 घंटे, तहसील स्तर पर 21.5 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे तक बिजली उपलब्ध कराई गई।मुख्यमंत्री ने ट्रिपिंग की लगातार आ रही शिकायतों पर गहरी नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि प्रत्येक फीडर की तकनीकी जांच हो, कमजोर स्थानों की पहचान कर तुरंत सुधार कराया जाए। जहाँ जरूरत हो, वहां ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता तुरंत बढ़ाई जाए ताकि ओवरलोडिंग की स्थिति न बने। फील्ड से प्राप्त वास्तविक शिकायतों का समाधान समयबद्ध ढंग से हो ताकि जनता को राहत मिले।सीएम ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों से कहा कि संसाधनों की कोई कमी नहीं है, सरकार ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण को मजबूत करने के लिए रिकॉर्ड बजट उपलब्ध कराया है। ऐसे में किसी स्तर पर लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों से उनके क्षेत्रों की आपूर्ति की स्थिति जानने के बाद मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाए।बिलिंग व्यवस्था पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ÷हर उपभोक्ता को हर महीने सही समय पर स्पष्ट और सटीक बिल मिलना चाहिए। फॉल्स या ओवरबिलिंग जैसी शिकायतें जन विश्वास को तोड़ती हैं और विभाग की साख को नुकसान पहुंचाती हैं। यह किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए।

बिलिंग एफिशिएंसी बढ़ाई जाए। उन्हें जानकारी दी गई कि अब तक 31 लाख उपभोक्ता स्मार्ट मीटर से जोड़े जा चुके हैं और इस प्रक्रिया को ब्लॉक स्तर तक ले जाने का कार्य तेजी से जारी है।मुख्यमंत्री ने तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों लाइन लॉस को चरणबद्ध रूप से नीचे लाने का लक्ष्य तय करने के निर्देश दिए। हर डिस्कॉम को अपने स्तर पर ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। जहां आवश्यक हो, पारेषण व वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया भी गति पकड़े।बिजली उत्पादन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री को बताया गया कि राज्य की कुल उत्पादन क्षमता वर्तमान में 11,595 मेगावाट है, जिसमें थर्मल, जल विद्युत, नवीकरणीय और केंद्रीय योजनाओं की परियोजनाएं शामिल हैं। घाटमपुर और मेजा जैसी नई परियोजनाओं के पूरा होने के बाद यह क्षमता अगले दो वर्षों में 16,000 मेगावाट से अधिक हो जाएगी। इन परियोजनाओं की सतत निगरानी और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने को कहा।कृषि क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कृषि फीडरों के तेजी से पृथक्करण और किसानों को प्रधानमंत्री कुसुम योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ट्यूबवेलों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता पर होना चाहिए, ताकि किसानों को स्थायी राहत मिल सके और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हो।बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली व्यवस्था केवल ट्रांसफॉर्मर और वायरिंग नहीं, यह जन अपेक्षा और शासन की प्रतिबद्धता का दर्पण है।

एआई-ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी विश्वविद्यालय का सीएम करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रदेश को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि देने जा रहे हैं। वे उन्नाव जनपद में भारत के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी विश्वविद्यालय चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश परिसर का उद्घाटन करेंगे। विश्वविद्यालय लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर स्थापित किया गया है और तकनीकी, रोजगारोन्मुखी तथा वैश्विक स्तर की शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते छह वर्षों में ऐसा सकारात्मक और विश्वासपूर्ण वातावरण बना है जिससे देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थान अब उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का आगमन इसी का प्रमाण है। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत की शीर्ष पांच यूनिवर्सिटी में शामिल है।

नगर निगम ने निकाली गई तिरंगा यात्रा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में लखनऊ को देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में नगर निगम लखनऊ द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व महापौर सुषमा खर्कवाल ने किया। इस आयोजन का उद्देश्य लखनऊ की जनता को स्वच्छता अभियान में उनके योगदान के लिए आभार प्रकट करना था। तिरंगा यात्रा प्रातः 7 बजे नगर निगम मुख्यालय से शुरू हुई और मेफेयर चौराहा, हजरतगंज चौराहा होते हुए भाजपा मुख्यालय से वापस नगर निगम परिसर में संपन्न हुई।

यात्रा के दौरान महापौर ने हजरतगंज चौराहे पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर स्वच्छता, एकता और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। महापौर ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, यह उपलब्धि लखनऊ के हर नागरिक, सफाई मित्र और नगर निगम के हर कर्मचारी की है। आप सभी ने मिलकर लखनऊ को स्वच्छता की दिशा में एक आदर्श शहर बनाया है।

तिरंगा यात्रा में इनकी रही उपस्थिति

यात्रा में नगर निगम के सभी पार्षद, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह आदि शामिल रहे। तिरंगा यात्रा में एलएसए (लखनऊ स्वच्छता अभियान) एवं लायन एनवायरो के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई मित्र भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। इसके साथ-साथ अमीनाबाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं, और लखनऊ की आम जनता ने भी पूरे जोश और उत्साह के साथ भागीदारी निभाई।

ट्रेजर हंट कार्यक्रम 28 से, केंद्रीय विद्यालय के छात्र करेंगे पार्कों का भ्रमण

प्रकृति एवं जैव विविधिता से छात्र सीखेंगे भविष्य के लिए जीने की कला: जयवीर

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अंतर्गत इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी द्वारा 28 जुलाई से स्कूली छात्रों के लिए एक मनोरंजक और शैक्षिक ट्रेजर हंट कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। यह आयोजन 20 दिनों तक चलेगा, जिसमें लखनऊ व आसपास के केन्द्रीय विद्यालय की 10 शाखाओं के छात्र भाग लेंगे। शुरुआत केंद्रीय विद्यालय एसजीपीजीआई शाखा से की जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति, जैव विविधिता और पर्यटन के प्रति जागरूक करना और खेल के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ट्रेजर हंट कार्यक्रम के तहत छात्र गोमती नगर स्थित यूपी दर्शन पार्क का भ्रमण करेंगे। यहां उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों के लघु मॉडल और विभिन्न पर्यटन स्थलों को देखने और जानने का अवसर मिलेगा। भ्रमण के बाद छात्र एक क्लू-बेस्ड ट्रेजर हंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें उन्हें पर्ची की मदद से पार्क में स्थित स्मारकों की पहचान करनी होगी। बच्चे ट्रेजर हंट कार्यक्रम के माध्यम से प्रकृति के साथ सह अस्तित्व, संरक्षण तथा जैव विविधिता के साथ अपने को जोड़कर भविष्य में सीखेंगे जीने की कला। लखनऊ स्थित यूपी दर्शन पार्क रमणीय स्थल है। यह गोमती नगर के जेपीएनआईसी सेंटर के बगल में स्थित है। इस पार्क में उत्तर प्रदेश के तमाम दर्शनीय स्थलों की आकृतियां व इससे जुड़े इतिहास को उकेरा गया है। यहां राज्य की प्रसिद्ध धरोहरों के लघु मॉडल और विभिन्न पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित किया गया है। यूपी दर्शन पार्क बच्चों के लिए न शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि मनोरंजन का भी बेहतरीन माध्यम बन चुका है।

पर्यटन के लिए नाविकों को सशक्त बनाने की पहल

मिर्जापुर में हेरिटेज स्टोरीटेलिंग और सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट एमकेआईटीएम की ओर से आज मिर्जापुर में स्थानीय नाविकों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य गंगा पट्टी में स्थायी, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध नदी पर्यटन को बढ़ावा देना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह पहल राज्य सरकार की उस व्यापक सोच का हिस्सा है जिसके तहत गंगा पट्टी में पर्यावरण-संवेदनशील, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पर्यटन अनुभव को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से नाविकों को सुरक्षा, स्टोरीटेलिंग और मेहमाननवाजी जैसे महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए गए, जिससे वे न सिर्फ पर्यटकों को सुरक्षित अनुभव दे सकें, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी सशक्त भागीदार बन सकें।इस प्रशिक्षण का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू था हेरिटेज स्टोरीटेलिंग मॉड्यूल, जिसमें नाविकों को मिर्जापुर एवं बनारस की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पौराणिक कहानियों को रोचक अंदाज में सुनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक नाव यात्रा को एक सांस्कृतिक अनुभूति में बदलना है, जिससे नाविक पर्यटकों के लिए केवल नाविक नहीं बल्कि गाइड और संस्कृति के संवाहक बन सकें। इसके अलावा, प्रतिभागियों को खोज, बचाव और आपदा प्रतिक्रिया एसडीआरएफका प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे नदी में किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपट सकें। शिष्टाचार और संवाद कौशल पर भी विशेष ध्यान दिया गया ताकि पर्यटकों के साथ उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आए और समग्र अनुभव बेहतर हो। हमारे नाविक केवल नदी के नाविक नहीं हैं, वे हमारी विरासत के संरक्षक और उत्तर प्रदेश की मेहमाननवाजी के पहले प्रतिनिधि हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से हम उन्हें और अधिक सक्षम बना रहे हैं ताकि वे हर पर्यटक को एक यादगार, सुरक्षित, भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ अनुभव दे सकें। यह हमारी समावेशी पर्यटन की सोच का उदाहरण है, जिसमें स्थानीय समुदाय को विकास की धुरी में रखा गया है। एमकेआईटीएम इस क्षेत्र में व्यावहारिक और स्थल-आधारित पर्यटन प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान बनकर उभरा है, जो जमीनी सहभागिता और वैश्विक स्तर की पर्यटन सेवाओं के बीच की दूरी को पाट रहा है।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में सुने गये तीन दर्जन प्रकरण

आयोग अध्यक्ष ने अधिकारियों की नामौजूदगी पर जताई नाराजगी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने इंदिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में जिलों से आई 36 शिकायती पत्रावलियों पर जनसुनवाई की। आयोग ने अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा मे निर्णय लिए।

लखनऊ के देवेन्द्र सिंह द्वारा चिकित्साधिकारी सीमा सिंह की लेवल-2 से लेवल-3 पर प्रोन्नति न होने की शिकायत की गई थी। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा निदेशक प्रशासन ने अवगत कराया कि सीमा सिंह की प्रोन्नति लेवल-1 से लेवल-2 पर की जा चुकी है और लेवल-3 पर प्रोन्नति की प्रक्रिया प्रगति में है। आयोग ने एक माह का समय देते हुए कार्यवाही को त्वरित और संतोषजनक बताया।शिकायतकर्ता ने आयोग और शासन का आभार व्यक्त किया।सीतापुर की उमा देवी द्वारा मकान पर अवैध कब्जे की शिकायत की गई। जनसुनवाई में उपस्थित उपजिलाधिकारी सिचौली, राखी वर्मा को निर्देश दिए गए कि पिछड़े वर्ग की वृद्ध महिला के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो और यदि अवैध कब्जा हो तो तत्काल स्थल पर जाकर उसे मुक्त कराया जाए।लखनऊ नगर निगम में कार्यरत रहे आनंद कुमार सिंह की पत्नी सुधा सिंह ने पेंशन, पारिवारिक पेंशन, ग्रेच्युटी, राशिकरण तथा सामूहिक जीवन बीमा भुगतान न होने की शिकायत की। आयोग ने अधिकारियों को तलब कर देरी पर नाराजगी जताई और निर्देश दिए कि 10 दिन के भीतर भुगतान किया जाए।अम्बेडकरनगर के नितेश मौर्य को कार्यभार न दिए जाने के संबंध में हुई सुनवाई में जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया कि कार्यभार ग्रहण करा दिया गया है। बाराबंकी के राजकुमार द्वारा पिछड़े वर्ग के आधार पर जिला पंचायत सीतापुर द्वारा भुगतान न किए जाने की शिकायत पर आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि समय से भुगतान न हुआ तो अधिकारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

आयोग के सदस्य जनार्दन प्रसाद गुप्ता ने देवीपाटन मंडल में कसौंधन जाति के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही कठिनाइयों का मामलाउठाया। बहराइच के तहसीलदार ने कठिनाई से इनकार किया जबकि अन्य जनपदों के अधिकारियों से तीन वर्षों में प्राप्त आवेदनों, जारी प्रमाण पत्रों और निरस्त आवेदनों की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई। उपजिलाधिकारी के अनुपस्थित रहने पर आयोग ने नाराजगी व्यक्त की।गोंडा की शालिनी जायसवाल के प्रकरण में पुलिस आयुक्त, लखनऊ की ओर से प्रतिनिधि ने पक्ष रखा। आयोग ने 19 जुलाई 2021 को जांच रिपोर्ट आने के बावजूद कार्रवाई न होने पर असंतोष जताया और शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

सपा के गुंडों की हमारी सरकार में लुप-लुप करती है: डिप्टी सीएम

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आज यानी कि शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हो रहा है। चौहान समाज से संकल्प दिवस के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में चौहान समाज के लोग पहुंचे हैं। कार्यक्रम में प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक बतौर अतिथि शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कई मंत्री, विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी इस सामाजिक आयोजन में शिरकत कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि चौहान समाज की बात रखने वाला अगर कोई पैदा हुआ है तो वह दारा सिंह चौहान हैं। चौहान समाज को एकत्र करके इन्होंने चौहान समाज की बात उठाई। आज यह सिद्ध हो गया कि पूरे देश का चौहान समाज हमारे साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि चौहान समाज ने आजादी के समय भारत माता का झंडा ऊंचा करने में अपना खून-पसीना बहाया है। दारा सिंह चौहान के नेतृत्व में चौहान समाज आगे बढ़ रहा है, इसलिए चौहान समाज को उनके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार बनाने में दारा सिंह चौहान की अहम भूमिका रही है। दारा सिंह चौहान को चिंता रहती है कि कैसे अपने लोगों को टिकट मिले वह पंचायती राज्यों में मजबूत बने। ब्रजेश पाठक ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी है। आज किसी माफिया की हिम्मत नहीं होती कि वो बहन-बेटियों को आंख उठाकर देखें। जमीन-मकान पर कब्जा करें। समाजवादी पार्टी के लोग नारा लगाते थे कि खाली प्लाट हमारा है। समाजवादी पार्टी के लोग कब्जा करने का काम करते थे। पीलीभीत में कब्जा करके पार्टी कार्यालय बना लिया। नगर पालिका की जमीन को सत्ता की आड़ में कब्जा कर लिया। जब-जब समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में रही है, तब-तब बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ होती रही है। सपाई दुकानदारों से वसूली करते थे। कब्जे करते थे। समाजवादी पार्टी की सरकार में गांव में बिजली नहीं आती थी।

विकास की रफ्तार को मिलेगा नया आयाम: उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होगी बैठक

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य 26 जुलाई को ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह महत्वपूर्ण बैठक योजना भवन में पूर्वाह्न 11 बजे से होगी, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य विकास अधिकारी भाग लेंगे।बैठक का उद्देश्य ग्राम्य विकास से जुड़ी योजनाओं में तेजी लाना, क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाना तथा जमीनी स्तर पर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करना है।उप मुख्यमंत्री द्वारा अपेक्षित है कि अधिकारी जमीनी हकीकत से जुड़े आँकड़ों के साथ बैठक में शामिल हों और ऐसे ठोस सुझाव प्रस्तुत करें, जिनसे विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों हो सके।श्री मौर्य द्वारा बैठक में नवाचार, जन-सहभागिता एवं तकनीकी साधनों के अधिकाधिक उपयोग महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा सके।

द्वापर का अजेय योद्धा' का विमोचन पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने किया विमोचन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। प्रतिष्ठित बुक स्टोर यूनिवर्सल बुक सेलर्स में बॉलीवुड के प्रख्यात निर्देशक एवं लेखक दुष्यंत प्रताप सिंह द्वारा रचित चर्चित पौराणिक कृति 'सात्यकि द्वापर का अजेय योद्धा' का भव्य विमोचन आयोजित किया गया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर देश की प्रसिद्ध लोकगायिका पदमश्री मालिनी अवस्थी, जाने-माने शिक्षाविद राजेश दयाल, यूनिवर्सल बुक सेलर्स के सीईओ गौरव प्रकाश और लेखक दुष्यंत प्रताप सिंह मंच पर उपस्थित रहे। सात्यकि द्वापर का अजेय योद्धा लखनऊ के स्थानीय यूनिवर्सल बुक सेलर्स पर हालिया रिलीज चर्चित माइथोलोजी किताब सात्यकि द्वापर का अजेय योद्धा जिसे बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक दुष्यंत प्रताप सिंह ने लिखा है का विमोचन मशहूर लोक गायिका पदमश्री मालिनी अवस्थी, मशहूर शिक्षाविद श्री राजेश दयाल एवं यूनिवर्सल बुक सेलर्स के सी.ई.ओ गौरव प्रकाश व लेखक दुष्यंत प्रताप सिंह की उपस्थिति में किया गया। उपरोक्त किताब द्वापर युग के भीषण योद्धा सात्यकि के जीवन पर आधारित एक महागाथा है।

फूलन देवी ने हमेशा उठाई पीड़ितों, शषितों के हक के लिए आवाज: सपा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि के पर सपा नेता रमेश सिंह रवि की अध्यक्षता में फैजुल्लागंज लखनऊ में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सपा नेता रमेश सिंह रवि ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। रमेश सिंह रवि ने कहा कि वीरांगना फूलन देवी पूर्व सांसद का जन्म 10 अगस्त 1963 को उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में हुआ था।

सामंतवादियो द्वारा उनका शोषण किया गया था। फूलन देवी ने अपने ऊपर किए गये अत्याचार का बदला लेने के लिए उन सभी सामंतियो की हत्या कर दी। इस प्रकार उन्होंने अपने ऊपर हुए अत्याचार का बदला लिया। वह पहली बार 1996 में समाजवादी पार्टी की ओर से संसद सदस्य के रूप में चुनी गयी। इसके बाद पुनरू 1999 से संसद सदस्य के रूप में कार्यरत रहते हुए 25 जुलाई 2001 को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गयी थी । फूलन देवी ने हमेशा पीड़ितों, शषितों के हक के लिए आवाज उठाई थी ।समाज में जब तक महिलाओं की भूमिका नहीं होगी।सामाजिक विकास की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती।

इस मौके पर अधिवक्ता के जिला उपाध्यक्ष नदं किशोर यादव, नव युवक कश्यप महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित कश्यप प्रदेश सचिव सचिन कश्यप, सौरभ कश्यप उमेश रावत रामकुमार रावत राजकुमार सोनकर, दिनेश यादव, सुलेखा, मंजू शर्मा, शर्मिला पाल, मालती कश्यप, कविता यादव, जानवी सिंह, राजेश प्रजापति, अमन सिंह, सोनू कुमार गौतम, अभिषेक निगम, ताराचंद वर्मा, अनुज पाल, प्रियंका रावत,सुनील मित्तल, रवि कश्यप, दिलीप कश्यप के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनीष श्रीवास्तव बने जद यू लखनऊ के जिला अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों को देखते हुए जनता दल यूनाइटेड ने सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ मनीष श्रीवास्तव को जद यू का लखनऊ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनके साथ विभिन्न दलों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं, समाजसेवी, व्यापारी वर्ग ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से धनंजय तिवारीसंजय श्रीवास्तवअमित सक्सेना एलविन विनय सिंह विनय मिश्रा अनुराध श्रीवास्तव वीरेंद्र तिवारी अमित बंसल पूर्व संयुक्त सचिव लखनऊ बार एडवोकेट लक्ष्मी नारायण मिश्रा आशुतोष कुमार सिंह, वी के राय दिव्यानश सचिन नीमह शर्माचंदन आदि प्रमुख हैं।

आलू किसान बदहाल, रालोद के पूर्व विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक शिवकरण सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आलू उत्पादक किसानों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है।श्री सिंह ने बताया कि इस समय प्रदेश के किसानों के सामने बड़ी समस्या है कि कोल्ड स्टोरेज में रखा आलू सड़ने लगा हैं। उचित मूल्य न मिलने के कारण किसान आलू निकाल भी नहीं पा रहे हैं। पहले जहां किसानों को आलू का मूल्य 1700 से 1800 रुपये प्रति कुंतल मिल रहा था, अब घटकर औसतन 1000 रुपये तक आ गया है। इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। वर्तमान हालत यह है कि किसानों को 700 रुपए से भी कम मिल रहा है जबकि 240 रुपए भाड़ा भी देना पड़ रहा है। 1000 रुपए का औसत भी नहीं निकल रहा है।उन्होंने सरकार से मांग की है कि आलू के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाए और कोल्ड स्टोरेज से आलू निकालने पर प्रति कुंतल 100 रुपये का अनुदान दिया जाए। सरकार को किसानों से सीधा क्रय कर उनके भंडारित आलू को मिड-डे मील, राशन और योजनाओं में उपयोग करना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

सम्पादकीय

प्रकृति की मूक भाषा

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्भ्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं।सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी-सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पेट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पेट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें।

एको रूद्र द्वितीयो नास्ति

कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर? शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु। शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः। मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है।

सोम चन्द्रमा के पर्याय हैं। वे विराट ब्रह्माण्ड का मन हैं। जैसे चन्द्र कलाएं घटती बढ़ती हैं, वैसी ही हमारे मन की चंचलता है। सोम संसारी देवता हैं। ओम सूक्ष्मतम विराट का एकात्म नाद। परम ध्वनि। अस्तित्व सूक्ष्मतम से भी सूक्ष्म है और विराट से भी विराट। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं होती हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम् की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम् साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव का सोम चन्द्र प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं।ऋग्वेद में रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। नट-राज। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। ऋग्वेद में ÷जो रूद्र है, वही शिव भी है।÷ शिव महाकाल हैं। त्रिशूल उनका हथियार। तीन शूल दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट हैं। भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुखहारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। सोंचने से मन नहीं भरता। मैं तनाव की स्थिति में यजुर्वेद के शिव संकल्प सूक्त दोहराता हूं-÷हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।÷ मंच, माला, माइक का त्रिशूल मेरे भीतर है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था र्तयम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो।सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां औषधियां उगती हैं खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी में सत्य परम है। सत्य शिव है। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। आस्तिकों के लिए यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया ÷पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?÷ शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा ÷संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।÷ शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले ÷अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।÷ मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद् चन्द्र की पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत् कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र है और बायां चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।शिव अजन्मा हैं। उनका न जन्म हुआ और न ही मृत्यु। वे अजर अमर भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत् को व्याप्त किया है। यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। देवों के देव महादेव नमस्कारों के योग्य हैं।पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांयी आंख में ही काजल लगाया था, वह बाई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत् के माता पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं। हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। बहुदेव उपासना हमारी प्रकृति है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। श्रीराम गोयल ने 'विश्व की प्राचीन सभ्यताएं' (पृष्ठ 416) में शिव उपासना को आर्येतर बताया है। उन्होंने ऋग्वेद के रूद्र को भी परवर्ती शिव से भिन्न बताया है। गोयल आर्यों को भारतीय मूल का नहीं मानते थे। वे देवताओं को भी आयातित मानते थे। लेकिन ऋग्वेद की प्राचीनता से ही ऐसे आरोप निरस्त हो जाते हैं। सिंधु घाटी से प्राप्त मुद्राओं में पशुओं की बहुतायत है। शिव पशुपति हैं ही। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा है वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ। शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त परम चेतना हैं।

सरोकार

ऐतिहासिक निर्णय

शुक्रवार, 18 जुलाई को कैलिफोर्निया के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय, एक संघीय न्यायालय, ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसने राज्य कार्रवाई के माध्यम से जाति-उत्पीड़ित व्यक्तियों की रक्षा करने के कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) के संवैधानिक अधिकार को निर्णायक रूप से बरकरार रखा। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने आरोप लगाया था कि सीआरडी द्वारा जाति-विरोधी नीतियों को लागू करने से सभी हिंदू अमेरिकियों के संवैधानिक अधिकारोंष् का उल्लंघन हुआ है। अदालत ने आरोप को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि एचएएफके पास न तो कोई ठोस आधार है और न ही मामले को आगे बढ़ाने के लिए कोई ठोस तर्क। विशेष रूप से, न्यायाधीश ने एचएएफके इस पाखंड पर ध्यान दिया कि वह न केवल यह दावा कर रहा है कि जाति हिंदू धर्म का अभिन्न अंग नहीं है, बल्कि यह भी दावा कर रहा है कि जाति-आधारित सुरक्षा हिंदू धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।यह फैसला न केवल एक कानूनी जीत हैकृयह नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की एक बड़ी जीत है। इसके चार महत्वपूर्ण परिणाम हैं। अदालत ने फिर से पुष्टि की कि सीआरडी के पास भेदभाव का सामना कर रहे जाति-उत्पीड़ित व्यक्तियों की ओर से कानूनी कार्रवाई करने का संवैधानिक अधिकार है।

अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सीआरडी का मुकदमाकृजैसे कि सिस्को मामले मेंकृएक वैध राज्य कार्रवाई है। इसने इस झूठे दावे को खारिज कर दिया कि विभाग ने केवल एक निजी वकील के रूप में काम किया। अदालत ने फैसला सुनाया कि सीआरडी की कार्रवाई हिंदू अमेरिकियों के धार्मिक अधिकारों, समान सुरक्षा या उचित प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं करती है। इसने एचएएफके तर्क को पूरी तरह से अविश्वसनीय बताया। न्यायालय ने एचएएफके सभी हिंदू अमेरिकियों का प्रतिनिधित्व करने के व्यापक दावे को खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि संगठन ऐसी कोई वास्तविक गतिविधियाँ, वित्त पोषण तंत्र, या व्यापक हिंदू अमेरिकी समुदाय के साथ जुड़ाव प्रदर्शित करने में विफल रहा जो उसे इस मामले में खड़ा कर सके। 18 जुलाई के इस फैसले से एचएएफऔर आठ अन्य व्यक्तियों द्वारा सितंबर 2024 में सीआरडी के निदेशक श्री केविन किश के खिलाफ दायर दूसरी संशोधित शिकायत (एसएसी) को खारिज कर दिया गया। सितंबर 2023 में दायर एक समान मुकदमा भी खारिज कर दिया गया था, हालाँकि वादी को संशोधन की अनुमति दी गई थी। इस बार, न्यायालय ने उसे भी खारिज कर दिया, यह लिखते हुए कि एचएएफके तर्क इतने कमजोर थे कि संशोधन इस मामले में निरर्थक होगा।कैलिफोर्निया स्थित जाति-विरोधी और सामाजिक न्याय संगठन, अंबेडकर किंग स्टडी सर्कल (एकेएससी) के संयोजक कार्तिकेयन षणमुगम ने इस फैसले को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। श्री षणमुगम ने कहा, यह एक ऐतिहासिक जीत है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है और इसे धार्मिक स्वतंत्रता के दावों से नहीं बचाया जा सकता। अदालत का फैसला स्पष्ट करता है कि नागरिक अधिकार कानूनों को लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं है। यह फैसला एक कड़ा संदेश देता हैरू जाति-आधारित बहिष्कार और दुर्व्यवहार का हमारे संस्थानों में कोई स्थान नहीं है, और इससे प्रभावित लोग अमेरिका में कानून के तहत न्याय की मांग कर सकते हैं। दलित सॉलिडेरिटी फोरम की अध्यक्ष डॉ. रोजा सिंह ने कहा अमेरिका में जाति-आधारित उत्पीड़न के दशकों पुराने अभियान का आखिरकार सामना किया जा रहा है। कैलिफोर्निया के पूर्वी जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के जिला न्यायालय का यह फैसला इस बात की पुष्टि करता है कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि जाति-उत्पीड़ित समुदाय सुरक्षा, सम्मान और समानता के साथ रह सकें और काम कर सकें। हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स के पश्चिमी क्षेत्रीय संयोजक विवेक केम्बयान ने आगे कहा÷हिंदू अति-दक्षिणपंथी समूहों ने नागरिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की भाषा को हथियार बनाना जारी रखा है, लेकिन वे अदालतों में बुरी तरह विफल होते रहे हैं। हमें खुशी है कि व्यापक अति-दक्षिणपंथी विचारधारा वाले उनके मित्रों से उधार लिए गए ये झूठे तर्क लगातार विफल होते जा रहे हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और उसके दक्षिणपंथी अतिवादी सहयोगी हिंदुओं की बात नहीं करते हैं, और उनका यह तर्क कि जाति का हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है, बेईमानी और नुकसानदेह है। हिंदुओं के रूप में, हमें हिंदू धर्म की हिंसक जाति व्यवस्था से होने वाले ऐतिहासिक और निरंतर नुकसान का ईमानदारी से आकलन करना चाहिए, यही कारण है कि हम जातिगत भेदभाव के विरुद्ध नागरिक अधिकारों के प्रवर्तन का समर्थन करते हैं। भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद के अध्यक्ष जवाद अहमद ने कहा यह निर्णय उस बात की एक महत्वपूर्ण पुष्टि है जो हम सभी जानते हैं कि सीआरडी का मुकदमा सभी के नागरिक अधिकारों और मानवीय गरिमा की पुष्टि के लिए था, और किसी भी समूह को उत्पीड़न के प्रणालीगत रूपों को दोगुना करने के लिए अपनी पहचान का हथियार नहीं बनाना चाहिए।

ट्रंप की सनक या तानाशाही

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा है।हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाई, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है। सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5-6: इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' पूरा नहीं हो सकता।वैसे भी जब से ट्रप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं। 50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई-कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। इसके लिए कनाडा, ब्राजील और भारत जैसे देश छूट हासिल करने के लिए 1 अगस्त की समय सीमा के खिलाफ दौड़ रहे हैं। जबकि व्यवसाय और उपभोक्ता इसके बाद के झटकों के लिए तैयार हैं। यानि इतना तो तय है कि या तो ट्रम्प किसी सनक का शिकार हो गए है फिर उनको तानाशाही करने में मजा आ रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह कहावत आम है कि अकेल चना भाड़ नही फोड़ सकता। इसका आभास जल्द ही ट्रम्प को हो जाएगा।

नजरिया

झंझावातों की उलझन में मासूम किशोर मन संदीप जोशी

दुनिया में भारत की गिनती एक युवा देश के रूप में होती है। भारत उन देशों में शुमार है जिसमें किशोरों की आबादी सर्वाधिक है। लेकिन देश का किशोर संक्रमण कालीन समाज की तमाम मानसिक चुनौतियों से जूझ रहा है। किशोरावस्था तेरह से उन्नीस साल के बीच मानी जाती है। यह समय एक युवा के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव का होता है। इस संवेदनशील समय में उसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक बदलावों के साथ तमाम मनोवैज्ञानिक परिवर्तन होते हैं। उसके सामने अलग पहचान गढ़ने, जीवन मूल्यों के अंगीकार और भविष्य की नींव तैयार करने की चुनौती होती है। यह भविष्य का नागरिक तैयार करने का भी वक्त होता है। इस संवेदनशील समय में यदि उसे सही गाइडेंस, भावनात्मक संबल, रचनात्मक सहयोग व भविष्य के लिये आश्वस्ति मिले तो वह निखर जाता है। अन्यथा वह आत्मघात, हिंसा, अपराध व भटकाव की अंधी गलियों की तरफ बढ़ सकता है। हाल के दिनों में किशोरों में बढ़ती आत्मघात की प्रवृत्ति, हिंसा, अपराधों की ओर झुकाव व नशे के दलदल में उतरने के कारकों को इसी नजरिये से देख सकते हैं। माना जाता है कि भारत में किशोरों की आबादी बीस प्रतिशत है। भारत

का सौभाग्य है कि तमाम विकसित देशों के मुकाबले हमारे पास बड़ी युवा शक्ति है। लेकिन हम उनकी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उनकी मानसिक व स्वास्थ्य समस्याओं को संबोधित नहीं कर पा रहे हैं। इस अवस्था में किशोरों में तमाम शारीरिक परिवर्तन होते हैं। किशोर पुरुषत्व की ओर, तो किशोरियां स्त्रीत्व की ओर उन्मुख होती हैं। लेकिन इन बड़े बदलावों के प्रभावों को समझाने को हम संवेदनशील नहीं होते। जहां परिवार से संवाद नहीं हो पाता, वहीं बाहर विश्वसनीय माध्यम उन्हें नजर नहीं आता। तभी किशोर स्वास्थ्य व मनोविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञ 'आई सपोर्ट माई फ्रेंड्स' जैसे रचनात्मक अभियान की जरूरत बताते हैं। संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति से हासिल ज्ञान मौजूदा समय में एक भ्रमजाल भी गढ़ रहा है। ऑनलाइन कार्यक्रमों का मायाजाल किशोरों में भटकाव की वजह बना है। यौन इच्छाओं के विस्फोट को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया के कुछ प्लेटफॉर्म तथा इंटरनेट पर सहज पहुंच ने किशोरों के भटकाव को बढ़ाया है। वयस्कों से जुड़ी सामग्री तक किशोरों की सरल पहुंच ने स्थिति को गंभीर बनाया है। बड़ी संख्या में किशोर साइबरबुलिंग का भी शिकार होकर आत्मविश्वास खोते नजर आते हैं। यौन शिक्षा के अभाव में इससे जुड़े अपराधों में वृद्धि तथा कम उम्र का मातृत्व इस संकट का दूसरा पहलू है। जिससे किशोरियों को रक्ताल्पता जैसी समस्याओं से भी दो-चार होना पड़ता है।

वहीं तमाम अन्य कारक हैं जो किशोरों को आत्मघात की ओर उन्मुख कर रहे हैं। उनकी जल्दीबाजी और तेजी सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आती है। वहीं नशे की तरफ बढ़ते कदम भी किशोरों के जीवन में उथल-पुथल व पारिवारिक अशांति को दर्शाते हैं। ऐसे में पर्याप्त काउंसलिंग न होना तथा मानसिक स्वास्थ्य का समय रहते इलाज न होना समाज के लिये घातक साबित हो सकता है। एक मुख्य कारण किशोरों की समस्याओं की तरफ समाज में जागरूकता का अभाव भी है। हाल के वर्षों में संक्रमणकालीन दौर में पीढ़ियों का अंतराल तेजी से बढ़ा है। जो पुरानी पीढ़ी व नई पीढ़ी के बीच टकराव का सबब भी बना। ऐसे में संस्कारों की पहली इकाई परिवार और स्कूलों में शिक्षकों को किशोरों की समस्याओं के प्रति गंभीर पहल करनी चाहिए। निस्संदेह, घर की परिस्थितियां किशोरों का व्यक्तित्व गढ़ने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। किशोर-किशोरियों के सशक्तीकरण में परिवार व शिक्षक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। समाज व परिवार इस दिशा में सार्थक पहल करके किशोरों के व्यक्तित्व में संतुलन स्थापित कर सकते हैं। निश्चय ही इससे हम देश को बेहतर नागरिक देकर स्वस्थ समाज की आधारशिला रख सकते हैं।आज किशोर जिस तेजी से हिंसा व अपराध की अंधी गलियों में उतर रहे हैं, उसके मूल में इस संक्रमणकालीन दौर में इस उम्र के बच्चों का भटकाव भी है। जिसमें पारिवारिक संरचना की विसंगतियां भी निहित हैं।संयुक्त परिवारों का बिखरना और एकल परिवारों में आर्थिक दबावों के चलते मां-बाप का कामकाजी होना बच्चों के जीवन में रिक्तता पैदा करता है। जटिल सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियां स्थिति को विकट बनाती हैं। असुरक्षाबोध किशोर मन पर गहरा असर डालता है। सामाजिक ताने-बाने में बिखराव व नैतिक मूल्यों का पराभव संकट को गहरा कर देते हैं। संवाद के अभाव में किशोरमन की उलझनों का समाधान नहीं मिलता। यह संकट उन परिवारों में ज्यादा गंभीर हो जाता है जहां माता-पिता के संबंधों में टकराव है। माता-पिता की लड़ाई किशोरों के कोमल मन में गहरी नकारात्मकता भर देती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वाइंट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

पति-पत्नी ने खाया जहर, अनुसूचित जाति बदलकर बढ़ई दिखा जालसाजों ने कराया बैनामा

नवाबगंज, उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दिलवल से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति और उसकी पत्नी ने जमीन हड़पने से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास किया। शुक्रवार की रात राम कैलाश और उनकी पत्नी सुनीता ने खेत में डालने वाली जहरीली दवा पी ली। दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में गांव के ही कुछ लोगों ने राम कैलाश की मानसिक कमजोरी का फायदा उठाकर उनकी लगभग छह बीघा कृषि भूमि अपने नाम करा ली। वर्ष 2020 में 1 बीघा, वर्ष 2021 में ढाई बीघा और वर्ष 2023 में पुनः ढाई बीघा जमीन तीन अलग-अलग लोगों के नाम पर जमीन बैनामा कराई गई। चौंकाने वाली बात यह है कि आखिरी बैनामे में राम कैलाश की जाति अनुसूचित जाति की जगह बढ़ई दर्ज कर दी गई। इससे पीड़ित परिजन ने न्याय की गुहार लगाई परंतु जब न्याय नहीं मिला। सुनीता द्वारा आत्महत्या से पूर्व लिखे गए पत्र में गांव के ही कुछ व्यक्तियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्र में उल्लेख है कि– गांव का दामाद पिंटू और उसके साथियों ने राम कैलाश को नशा देकर जबरन जमीन का बैनामा कराया। कुछ लोग बैंककर्मी बनकर आए और कागजातों पर धोखे से हस्ताक्षर कराते रहे। चार महीने पहले जब कुछ लोग जबरन कब्जा लेने पहुंचे, तो विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। सुनीता ने अपनी चिट्ठी में लिखा है, हमारे तीन छोटे बच्चे हैं। अब उनके पास कोई सहारा नहीं बचा। मरने के बाद भी अगर न्याय मिल जाए, तो यही मेरी आखिरी इच्छा है। गांव में चर्चा है कि इतना सब होने के बावजूद प्रशासन और पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। अब सवाल उठ रहा है कि क्या एक मानसिक रूप से कमजोर दलित परिवार से जबरन जमीन लिखवाना अपराध नहीं है? मुख्यमंत्री से जांच की मांग ग्रामीणों और समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता के साथ न्याय दिलाया जाए।

जमीन विवाद में दो भाइयों के बीच खूनी संघर्ष, महिला और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ,उन्नाव। गांव के दो सगे भाइयों के बीच रास्ते को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद उस समय खूनी संघर्ष में बदल गया, जब एक पक्ष की महिला और उसका बेटा धारदार हथियार से हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर खालसा में शनिवार को जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव निवासी अमीर हसन पुत्र सिरजम का अपने भाई नूरहसन से गांव के एक पुराने रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार को नूरहसन पक्ष ने कथित तौर पर वहां से चकरोड निकालने की कोशिश की, जहां पहले से रास्ता नहीं था। इसका विरोध अमीर हसन की पत्नी अकीरन (50) ने किया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इसी दौरान नूरहसन का पुत्र परवेज वहां पहुंचा और अकीरन पर तबल (धारदार हथियार) से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अकीरन मौके पर ही बेहोश हो गई। उसे बचाने आए बेटे इरशाद (20) पर भी धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे उसके पैरों में गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस टीम ने दोनों घायलों को पहले सीएचसी बांगरमऊ भेजा, जहां से हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे लगातार निगरानी में रखा गया है। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलते ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति शांत है, लेकिन पुलिस नजर बनाए हुए है। घायल महिला के पति अमीर हसन ने बताया कि उनकी पत्नी की हालत बेहद गंभीर है। जैसे ही उन्हें होश आता है, हम लिखित तहरीर देंगे ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यछ का जोरदार स्वागत

बांगरमऊ,उन्नाव। नगर के हरदोई मार्ग पर स्थित एक अतिथि गृह में आज शनिवार को बांगरमऊ चेयरमैन के नेतृत्व में अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत कर उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। उन्होंने बताया कि वह वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी के लिए देश और प्रदेश सरकारों का ध्यान आकृष्ट करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने सभी से बनारस में आयोजित होने वाले संगठन के सम्मेलन में शामिल होने की अपील की। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमंत गुप्ता शनिवार को क्षेत्र के हरदोई मार्ग स्थित एक अतिथि गृह पहुंचे। जहां उन्होंने बांगरमऊ चेयरमैन रामजी गुप्ता को संगठन का जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति की बधाई दी। उन्होंने वैश्य समाज से राजनैतिक हिस्सेदारी पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि वह सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक स्थित में वैश्य समाज का विशेष योगदान रहा है। किंतु राजनीतिक भागीदारी लगभग शून्य है। उन्होंने मुख्य रूप से संगठन द्वारा आगामी 5 अगस्त को बनारस में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन की जानकारी देते हुए वैश्य समाज से सम्मेलन में भाग लेने की अपील की। पालिका चेयरमैन रामजी गुप्ता सहित रामचंद्र,दिनेश,रामजी, सुभाष,अवधेश,नवलदीप व अंकित आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुप्ता को माला पहनाकर सम्मानित किया।

निर्माणाधीन मकान की सरिया मे करेन्ट उतरने से मकान मालिक की दर्दनाक मौत

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बा गंज मुरादाबाद में विद्युत केबिल से निर्माणाधीन मकान की सरिया में दौड़ रहे तेज करेंट की चपेट में आकर मकान मालिक की दर्दनाक मौत हो गई। घर के मुखिया की अचानक मौत से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा गंजमुरादाबाद के मोहल्ला नट पुरवा निवासी सुनील कुमार 41 वर्ष पुत्र नथुन्नी अपने मकान का निर्माण करा रहा है। दीवार की बीम के लोहे की सरिया के जाल को छूते हुए एक विद्युत केबिल गुजरा है। जिससे कटे केबिल के जरिए बीम में तेज़ करेंट बह रहा था। आज शनिवार को वह निर्माणाधीन मकान में काम कर रहा था। तभी सरिया में उतरे तेज करेंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। यह देखकर परिजन आनन-फ़ानन उसे स्थानीय सरकारी अस्पताल लाए। जहां डाक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाल चंद्रकांत सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। घटना की जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी। परिवार के एकमात्र मुखिया की अचानक मौत से उसकी पत्नी रोमी व पुत्र साहिल तथा पुत्रियां शिवानी,सानिया व शालू सभी रो-रोकर बेहाल हैं। नागरिकों के अनुसार मृतक का परिवार घुमंतू जाति का है। वह कस्बा और क्षेत्र में मेहनत-मजदूरी मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करता चला आ था।

उन्नाव को मिली देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी, सीएम योगी ने किया उद्घाटन

> 8 साल पहले उत्तर प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं था, आज यहां निवेश की बाढ़ आई हैः योगी

करण वाणी न्यूज

उन्नाव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उन्नाव जिले में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पहले सत्र का शुभारंभ करते हुए देश की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ृढ्ढ) यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया। उन्होंने बटन दबाकर यूनिवर्सिटी की शुरुआत की और इसे उत्तर प्रदेश के लिए शिक्षा की नई क्रांति करार दिया। इस अवसर पर मंच से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर नाम लिए बिना हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷याद करिए आठ साल पहले उत्तर प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं था – न महिलाएं, न व्यापारी। उस अराजक माहौल में कोई निवेश नहीं करना चाहता था। लेकिन आज, प्रदेश में 1.45 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिसमें से 1.1 लाख करोड़ ज़मीन पर उतर चुका है।÷छात्रों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, ÷जहां अनुशासन खत्म होता है, वहां दुस्साशन शुरू होता है। महाभारत का कारण भी यही था।÷ उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे खुद को केवल डिग्री तक सीमित न रखें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। सीएम योगी ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी प्रशासन से आग्रह किया कि वे युवाओं को ÷आधुनिक तकनीक के साथ-साथ संस्कारयुक्त शिक्षा÷ भी दें। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी न केवल तकनीकी शिक्षा का केंद्र बनेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगी।

कॉलेज प्रशासन ने सीएम को रोबोटिक टीचिंग सिस्टम का डेमो भी दिखाया। यूनिवर्सिटी में ृढ्ढ आधारित रोबोटिक टीचर्स छात्रों को पढ़ाएंगे। सीएम ने इसे ÷शिक्षा का भविष्य÷ बताते हुए कहा कि जो छात्र पहले सत्र में दाखिला ले रहे हैं, वे सौभाग्यशाली हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले भारत ग्लोबल इन्वेस्टर्स इंडेक्स में 76वें स्थान पर था, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह 39वें स्थान तक पहुंच चुका है। यह भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास का संकेत है।

उद्घाटन समारोह में यूपी सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, टेक्नोलॉजी एवं निवेश मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, सांसद राज्यसभा और चांसलर सतनाम सिंह संधू, सांसद साक्षी महाराज, यूनिवर्सिटी के एमडी जय इंदर सिंह संधू और प्रो-चांसलर प्रो. हिमानी सूद मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह में देश-विदेश की 20 से अधिक अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। ज्ञातव्य हो कि यह विश्व विद्यालय 63.53 एकड़ जमीन पर स्थापित की गई है। कैंपस में 45 कोर्स संचालित किए जाएंगे। इनमें इंजीनियरिंग, बिजनेस मैनेजमेंट, कम्प्यूटर साइंस, हेल्थ और लिबरल आर्ट्स शामिल है। उन्नाव कैंपस में बिजनेस मैनेजमेंट में 14 ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स, हेल्थ स्ट्रीम में 6 कोर्स और लिबरल आर्ट्स में 7 कोर्स उपलब्ध हैं। कैंपस में पुस्तकालय, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लासरूम, छात्रावास और खेल के मैदान जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। मंच पर योगी आदित्यनाथ के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, निवेश मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, राज्यसभा सांसद और यूनिवर्सिटी चांसलर सतनाम सिंह संधू, सांसद साक्षी महाराज और प्रो-चांसलर प्रो. हिमानी सूद मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह में देश-विदेश की 20 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। चांसलर सतनाम सिंह संधू ने पाकिस्तान को चुनौती देते हुए कहा, बॉर्डर पर बैठे हैं सरदार... सुधर जा पाकिस्तान, नहीं तो ठोकेंगे बार-बार।

पानी की मोटर से उतरे करंट की चपेट मे आई महिला, मौत

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली अंतर्गत जाजमऊ चौकी क्षेत्र के धनइयां गांव में शनिवार पूर्वाह्न एक घटना में पानी की मोटर से उतरे करंट की चपेट में आने के बाद एक महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। धनइयां गांव निवासी रेखा पत्नी सुभाष शनिवार सुबह करीब पांच बजे रोज की तरह पानी भरने के लिए मोटर चालू कर रही थीं। तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वह पानी की मोटर के ऊपर जा गिरीं। मोटर से उतरे करंट की चपेट में आते ही वह बेहोश होकर वहीं गिर गईं। परिजनों ने आनन-फानन में रेखा को पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। रेखा की मौत की खबर सुनते ही घर में मातम पसर गया। मृतका के तीन बेटे हैं । जिसमें सबसे बड़ा सागर, दूसरा प्रियांशु और सबसे छोटा सुमित है। मां की अचानक मौत से तीनों बच्चे बेसुध हैं और लगातार अपनी मां को पुकार रहे हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना जाजमऊ चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की।

स्कूल में पुताई का कार्य करने आए युवक की बाइक चोरी

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर के मजरा ठिठुवन खेड़ा में रहने वाले एक युवक की बाइक गगनीखेड़ा स्थित पीएम श्री विद्यालय से चोरी हो गई। युवक स्कूल में रंगरोगन का काम कर रहा था। इस संबंध में उसने गंगाघाट कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ठिठुवन खेड़ा निवासी सूरज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह कई दिनों से गगनीखेड़ा के पीएम श्री विद्यालय में पुताई का काम कर रहा है। बीते शुक्रवार को वह अपनी बाइक से काम पर पहुंचा और उसे स्कूल परिसर में खड़ा कर दिया। शाम करीब 6 बजे जब वह घर जाने के लिए निकला, तो उसकी बाइक गायब मिली। आसपास तलाश करने पर भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद पीड़ित को बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन दिया है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया याद

करण वाणी न्यूज

बाराबंकी। राष्ट्रीय जागरण मंच के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव के संयोजन में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजय उद्यान में स्थित स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम पुष्प अर्पित करते हुए तथा भारत माता, वंदेमातरम् के जयकारे लगाते हुए कार्यक्रम आरंभ हुआ। संबोधित करते हुए मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि किस प्रकार भारत के वीर सैनिकों ने पाकिस्तान की नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया। विपरीत परिस्थितियों में भी हमसे अत्यधिक ऊंचाई पर बैठे पाकिस्तानी सैनिकों को हमारी सेना ने छठी का दूध याद दिलाते हुए कारगिल क्षेत्र को वापस छीन लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, हरीश श्रीवास्तव राजा, राजीव श्रीवास्तव, व्यापारी नेता अनुपम अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष रुद्र अवस्थी ,प्रदेश उपाध्यक्ष गुलजार फातिमा, वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप यादव व दीपक सिंह, अधिवक्ता दिवाकर सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव,आर के चौहान,राहुल राजपूत, गोविंद यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सांसद ने की जनसुनवाई, स्थानीय जनता ने रखीं समस्याएं

करण वाणी न्यूज

अमेठी। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने स्थानीय जन समस्याओं पर गंभीर जनसुनवाई की। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। जनता ने जल आपूर्ति, बिजली कटौती, सड़कें जर्जर होने, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली जैसी अनेक समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने न केवल प्रत्येक व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याएं सुनना और उनका निराकरण करना ही जनप्रतिनिधि का असली धर्म है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि इसमें समाधान की स्पष्ट मंशा दिखाई दी। जनभागीदारी और पारदर्शिता के इस प्रयास की लोगों ने भी सराहना की।

कई वर्षों से लंबित पड़ी समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई की पहल से जनता में विश्वास की भावना जगी है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, प्रेम नरायन तिवारी, विजय पासी, राम बरन कश्यप, मुन्ना त्रिसुंडी, राजेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता अनिल सिंह क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक में छात्रों को निःशुल्क टैबलेट हुए वितरित

करण वाणी न्यूज

जैदपुर, बाराबंकी। हरख ब्लॉक की ग्राम पंचायत सोहिलपुर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक बरैया में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 150 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख हरख रवि रावत ने कहा कि कोई भी छात्र तकनीकी शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए टैबलेट मुफ्त में वितरित किए जा रहे हैं। बीडीओ हरख प्रीति वर्मा ने कहा कि यह टैबलेट छात्रों को उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शिवनाथ सिंह वर्मा ने भी अपने हाथों से छात्रों को टैबलेट वितरित किए और सरकार की योजनाओं की सराहना की। राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य वीके सिंह ने बताया कि ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ के सहयोग से पॉलिटेक्निक परिसर में इंटरलॉकिंग, आरओ वाटर प्लांट जैसे कई विकास कार्य सफलतापूर्वक कराए गए हैं, जिससे छात्र और शिक्षक दोनों लाभान्वित हो रहे हैं। इस मौके पर रामबिलास वर्मा, कुलदीप सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया ने ई पेपर की मान्यता के लिये लोकसभा अध्यक्ष को भेजा पत्र

> ई पेपर की मान्यता की मांग को लोकसभा की कमेटी में रखने के लिए भेजा गया है पत्र

करण वाणी न्यूज

बाराबंकी। प्राप्त जानकारी से ई पेपर की वैधानिक मान्यता की मांग को लोकसभा की कमेटी में रखने के लिए जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि) संगठन ने लोक सभा अध्यक्ष को पत्र भेजकर अनुरोध किया है।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 अनुराग सक्सेना ने भेजे अपने पत्र मे कहा है कि ई-पेपर से कई लाभ हो सकते हैं जैसे ई-पेपर कहीं भी और कभी भी पढ़ने की सुविधा प्रदान करता है। ई पेपर पर्यावरण के भी अनुकूल है। ई-पेपर पेपरलेस होने के कारण पर्यावरण को बचाने में मदद करता है। सरकार सब कुछ पेपर लैस करने पर जोर दे रही है लेकिन ई पेपर की मान्यता को लेकर गंभीर नही है। वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई, कागज की दर में वृद्धि होने के साथ ही साथ सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का आर्थिक सहयोग न मिलने से समाचार पत्र की छपाई बहुत महंगी पड़ रही है। इसके चलते लघु और मध्यम श्रेणी के समाचार पत्र बंद होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। वर्तमान समय में डिजिटिलाइजेशन के दौर में सरकार हर कार्य को कागज रहित करने पर जोर दे रही है। ऐसे में जो छोटे व्यापारी अपना विज्ञापन इन समाचार पत्रों को देते थे, वह भी लगभग बंद हो गये हैं। ऐसे में प्रकाशित समाचार पत्र को प्रसारित करने में भी इन समाचार पत्रों के प्रकाशकों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। डिजिटल युग में जहां ई पेपर बड़ी आसानी से बहुत बड़े क्षेत्र में प्रसारित हो जाता है वहीं ई पेपर के माध्यम से प्रकाशक अपने समाचार पत्रों को जिंदा रखे हुए हैं। उपरोक्त समस्या के समाधान के लिए संगठन ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि यदि आर एन आई द्वारा ई पेपर को मान्यता प्रदान कर दी जाये तो इन समाचार पत्रों को जीवन दान मिल सकेगा। ई पेपर को मान्यता प्रदान करने की मांग को लोकसभा की कमेटी मे रखने का अनुरोध लोकसभा अध्यक्ष से किया है।

किसानों के बोरवेल से कॉपर के कीमती केबल चोरी

बीघापुर उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव पाही खुर्द व जगदीशपुर निवासी किसानों के बोरवेल से लगभग 6 हजार रुपये कीमत का कॉपर का केविल चोरों ने पार कर दिया । पीड़ित किसानों ने कोतवाली में चोरी की तहरीर दी है। पाही खुर्द निवासी प्रदीप पटेल व जगदीशपुर निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उनके ट्यूबवेल पाही खुर्द व जगदीशपुर रोड़ के किनारे स्थित हैं ।गुरुवार की रात उनके खेतों में लगे सबमर्सिबल पंप में लगी मोटर का केबल चोरों ने पर कर दिया था ।बता दें कि दो वर्ष पूर्व बेहटा गोपी मार्ग में विजय सिंह के सब मर्सिबिल पंप का तार भी कर खोलने गए थे । इतने दिन बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक चोरों को पकड़ नहीं पाई है ।एसओ राजपाल ने बताया कि शिकायती पत्र मिला जांच करा कर कार्रवाई की जा रही है ।

उन्नाव में खंड शिक्षा अधिकारी की संदिग्ध हालात में मौत, बाथरूम में मिला शव

> मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में ड्यूटी पर जाना था, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

करण वाणी न्यूज

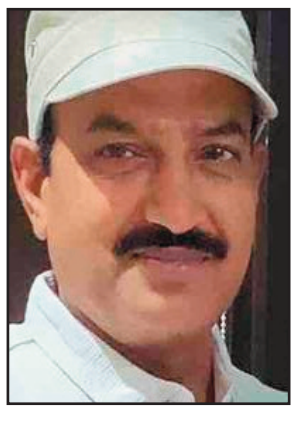

उन्नाव। शनिवार सुबह उन्नाव जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। खंड शिक्षा अधिकारी (ब्लॉक्ष) विनोद कुमार का शव सिविल लाइंस स्थित उनके किराए के निजी आवास के बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। इस घटना से पूरे शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, सुबह ड्यूटी पर जाने के लिए उनका ड्राइवर उन्हें लेने पहुंचा। दरवाजा खटखटाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर बार-बार आवाज दी गई, लेकिन जब कोई जवाब नहीं आया तो दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के भीतर विनोद कुमार का शव बाथरूम में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया यह मामला हार्ट अटैक का बताया जा रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। मूल रूप से इटावा जिले के निवासी विनोद कुमार कुछ समय से उन्नाव के सिविल लाइंस इलाके में किराए पर रह रहे थे। वे शनिवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में ड्यूटी पर तैनात किए गए थे। स्थानीय निवासियों के अनुसार, विनोद कुमार पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, लेकिन उन्होंने किसी गंभीर बीमारी का जिक्र नहीं किया था। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है और वे इटावा से उन्नाव के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

विनोद कुमार को उनके सहयोगी एक कर्तव्यनिष्ठ, सरल और मिलनसार अधिकारी के रूप में याद कर रहे हैं। उनकी असामयिक मौत से शिक्षा विभाग में गहरा शोक व्याप्त है।

न्यायालय के आदेश पर 700 लीटर देसी व अंग्रेज़ी शराब की गयी नष्ट

मसौली बाराबंकी। मसौली पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेश पर विगत वर्षों में दर्ज विभिन्न आबकारी अभियोगों में जब्त कुल 7 सौ लीटर देशी और अंग्रेजी शराब का विनष्ठीकरण किया। इस कार्रवाई के दौरान शराब को थाना परिसर में बनाए गए गहरे गड्ढे में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए नष्ट किया गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन एव क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पन्त के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मसौली सुधीर कुमार सिंह, व आबकारी निरीक्षक इंगिता पाण्डेय नवाबगंज क्षेत्र-1 मय टीम की मौजूदगी मे विनष्टीकरण किया गया।

हरे पेड़ो पर फिर चले आरे, जांच में जुटा वन विभाग

करण वाणी न्यूज

नवाबगंज,उन्नाव। थाना सोहरामऊ क्षेत्र के अंतर्गत नवाबगंज वन विभाग क्षेत्र के अर्जुनामऊ में प्रतिबंधित आम और नीम के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। एक ठेकेदार द्वारा की गई इस अवैध कटाई की सूचना स्थानीय लोगों ने वन विभाग को दी। अर्जुनामऊ बीट इंचार्ज जितेंद्र पांडे को इस घटना की जानकारी मिलने के बाद नवाबगंज रेंजर हिमाद्री कुरील ने मामले का संज्ञान लिया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उनकी टीम जल्द ही मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेगी। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई करने वाले ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आम और नीम के पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध है। इसके उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की अवैध कटाई से क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

साधन सहकारी समिति के नए भवन निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

बीघापुर,उन्नाव। विकासखंड परिसर में स्थित साधन सहकारी समिति के नए भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। शिलान्यास के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक आशुतोष शुक्ला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकारों की बदौलत आज सहकारिता से किसान जुड़कर लाभ उठा रहे है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याएं उनकी समस्याएं हैं विधानसभा की प्रत्येक सोसाइटी में डी ए पी,यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। अरुण सिंह ने कहा कि किसी समय सहकारिता केवल एक ही परिवार की प्रॉपर्टी थी जिसके चलते सहकारिता से किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा था ।आज केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के नेतृत्व में किसानों की सहकारिता के प्रति अभिरुचि बढ़ी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में तीन और नई सोसाइटियों का निर्माण शीघ्र होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष निर्भय सिंह लाला ,जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक शिव दर्शन, समिति के उपाध्यक्ष ए सी बाजपेई,पूर्व समिति अध्यक्ष सुभाष वाजपेई,हिंदू जागरण मंच के विमल द्विवेदी , अभय सिंह, नीरज सिंह,आचार्य शीतला पांडेय, विश्वनाथ सिंह, बंसीलाल लोधी ,ज्ञान द्विवेदी, विजय सिंह मुन्ना, जयकरण वर्मा, सचिव शिवपाल सिंह यादव, निदेशक जिला सहकारी बैंक के निदेशक अमरेश दीक्षित,मोनू सिंह आदि रहे।

उन्नाव- तालाब में डूबने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नवाबगंज,उन्नाव। जिले के अजगैन थाना क्षेत्र के खाड़ेखेड़ा मजरा भोली गांव में मंगलवार को खेत की सिंचाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में किसान अशोक रावत (38) की तालाब में डूबने से मौत हो गई। गांव निवासी अशोक रावत पुत्र धनपती रावत खेतों की सिंचाई के लिए तालाब पर पहुंचे थे। वह इंजन से सेक्शन पाइप खोल रहे थे कि इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से फिसलकर गहरे पानी में गिर गए। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों सहित ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर थाना अजगैन की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को तालाब से निकलवाया। थानाध्यक्ष सुरेश सिंह ने बताया कि अशोक रावत सिंचाई के लिए गए थे और पाइप खोलते समय फिसलकर तालाब में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि अशोक रावत अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके पीछे पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। घटना के बाद परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। गांव के लोगों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता व सरकारी मदद दिए जाने की मांग की है।

पंचर बनाने के दौरान फटा टायर, मैकेनिक की हालत गंभीर

बांगरमऊ,उन्नाव। जिले के आसीवन थाना क्षेत्र अंतर्गत औराई गांव निवासी रामबाबू (45) की एक लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ गई। रामबाबू रसूलाबाद में मुंशीगंज मोड़ के पास पंचर की दुकान चलाते हैं। मंगलवार रात करीब 8 बजे रामबाबू एक पंपिंग सेट के पहिए का पंचर बनाने के बाद उसमें हवा भर रहे थे। इसी दौरान अचानक टायर तेज धमाके के साथ फट गया। हादसे में रामबाबू गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें आनन-फानन में मियागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. डी. नाथ ने प्राथमिक इलाज के बाद रामबाबू की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रात करीब 10:30 बजे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल रामबाबू की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

रुपये लेने के बाद भी दरोगा ने नही दिलाया कब्जा एसपी ने किया निलंबित

बीघापुर,उन्नाव। जमीन में कब्जा दिलवाने के लिए रुपए लेने के बाद भी काम न करने वाले एस आई के ऊपर गाज गिर गई शिकायत पर एसपी ने नगर पंचायत के कस्बा इंचार्ज आर पी द्विवेदी को निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है। नगर पंचायत के संदोही नगर निवासी एक युवक ने बीघापुर थाने में तैनात उप निरीक्षक आर पी द्विवेदी को घाटमपुर कला में जमीन में अवैध कब्जा हटवाने के लिए ₹20 हजार दिए थे काफी दिन से आर पी द्विवेदी अवैध कब्जा हटवाने के मामले में टालमटोल कर रहे थे। एस आई ने मौके पर जाने के लिए अपनी कार में ₹2 हजार रूपये का ईंधन भी डलवाया। 20 जुलाई को पीड़ित उप निरीक्षक आर पी द्विवेदी के पास पहुंचा और काम न होने पर अपने रुपए वापस करने की मांग की ।थाना अध्यक्ष राजपाल ने भी पीड़ित के पैसे लौटाने के निर्देश दिए लेकिन आर पी द्विवेदी द्वारा टालमटोल किया जाता रहा। पीड़ित ने एसपी दीपक भूकर से मिलकर ₹20 हजार कैश व ₹2 हजार गाड़ी में ईंधन डलवाने के लिए एस आई द्वारा लिए जाने की शिकायत की। एसपी ने थाना अध्यक्ष राजपाल से पूरे प्रकरण की जानकारी ली। एस पी ने आर पी द्विवेदी को भ्रष्टाचार में संलिप्त मानते हुए निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है।

बाइक के साथ शातिर गिरफ्तार, चोरी की थी बाइक

शुक्लागंज, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने एक शातिर बाइक चोर को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि बालूघाट चौकी इंचार्ज गजेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक चोरी की बाइक के साथ आनंद घाट पार्क के पास मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को रोककर बाइक के कागजात दिखाने को कहा गया। युवक दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिस पर सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि बाइक चोरी की है। उसने अपना नाम साहिल निवासी अहमद नगर टाट वाली मस्जिद बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की और कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जिलाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं, टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ

करण वाणी न्यूज

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। और पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एफ.एम.डी.सी.पी. (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण अभियान के छठे चरण का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने टीकाकरण हेतु गठित टीमों के वाहनों को हरी झंडी

दिखाकर रवाना किया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जी.के. शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 23 जुलाई 2025 से 05 सितम्बर 2025 तक कुल 45 दिनों तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जनपद के 13 विकास खंडों में पशुपालन विभाग की 58 टीमें लगभग 4,95,182 पशुओं को निःशुल्क टीका लगाएंगी। उन्होंने बताया कि खुरपका-मुंहपका एक अत्यंत संक्रामक रोग है, जिससे पशुओं की उत्पादकता में भारी गिरावट आती है, हालांकि इसमें मृत्यु दर कम होती है।इस बीमारी की रोकथाम हेतु नियमित टीकाकरण आवश्यक है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि अभियान के दौरान प्रत्येक पशु के कान में टैग लगाकर उनका टीकाकरण किया जाएगा। सभी पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराकर इस मुहिम को सफल बनाएं। जिले में संचालित समस्त गो-आश्रय स्थलों में रखे गए गोवंशों को भी 100 प्रतिशत टीकाकरण करते हुए गो-आश्रय पोर्टल पर अद्यतन किया जाएगा।

विवाहिता ने ससुराली जनों पर दर्ज कराया दहेज उत्पीणन का मुकदमा

बीघापुर,उन्नाव। नगर पंचायत के मोहाल शास्त्रीनगर की एक विवाहिता ने ससुराली जनों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। कस्बा निवासी आकांक्षा ने पुलिस को तहरीर दी कि उसका विवाह उन्नाव शहर के आवास विकास निवासी संजीव बाजपेयी पुत्र अंजनी बाजपेयी के साथ वर्ष 2018 में हुआ था। शादी के बाद से ही पति ससुर सास व दो ननदें 2 लाख रुपये व बुलट मोटर साइकिल की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे थे। शादी के बाद जब गर्भ में बेटी की जानकारी होने के बाद ससुराली जनो ने मुझे मारपीट कर सारे कपड़े जेवरात छीन कर घर से भगा दिया तब से वह अपने मायके मे ही रहने को मजबूर है। ससुराली जन बगैर मांग पूरी हुए ससुराल ले जाने को तैयार नही है मामले मे पुलिस ने पति सास ससुर व दो ननदो के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।

उर्वरक बिक्री केंद्रों का किया गया औचक निरीक्षण

करण वाणी न्यूज

अमेठी। जनपद में खरीफ फसलों की बुवाई तथा धान की रोपाई तेजी से होने के दृष्टिगत कृषकों को सभी प्रकार के गुणवत्ता युक्त उर्वरकों की उपलब्धता निर्धारित दर पर सुनिश्चित कराने हेतु बुधवार को उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार द्वारा उर्वरक बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें उनके द्वारा आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र एवं अमन प्रखर खाद भंडार मुसाफिरखाना का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान कृषक सेवा केंद्र प्रभारी सुनील उपाध्याय केंद्र पर लगभग 15 कृषक प्रदीप कुमार पलिया चंदापुर, राम लोटन टिकरा, दिलीप कुमार जमुवारी आदि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी द्वारा बताया गया कि केंद्र पर यूरिया 1422 बोरी, डीएपी 482 बोरी स्टाफ में उपलब्ध है जिसे अभिलेख/पीओएस मशीन से मिलान करने पर सही पाया गया, केंद्र पर वितरण सुचारू रूप से किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी को नियमानुसार उर्वरक वितरण करने के निर्देश दिए गए।

धानापुर उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर हुई 25 एमबीए !

- पांच एमवीए का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगने से दूर होगी समस्या
- लो बोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहतपांच एमवीए का अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगने से दूर होगी समस्या

करण वाणी न्यूज

धानापुर। ओवरलोड के चलते हो रही अनियमित बिजली कटौती से मुक्ति दिलाने को लेकर धानापुर विद्युत उपकेन्द्र की क्षमता 20 से बढ़ाकर 25 एमबीए कर दी गई। बुधवार को यहां 10-10 एमबीए के दो ट्रांसफार्मरों के अलावा 5 एमबीए का एक और नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। जिसके बाद से अब ओवरलोड एवं अनिच्छित बिजली कटौती से निजात मिलने की उम्मीद जग गई है। कस्बा स्थित 33/11 विद्युत उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने को लेकर वर्षों से विभागीय प्रयास चल रहा था। महीनों पहले यहां 5 एमबीए का एक ट्रांसफार्मर लगने के लिए आकर रख गया। किंतु उसे लगाने की कवायद धीमी पड़ गई। किंतु जब बिजली संकट को लेकर सोमवार और मंगलवार को उपकेंद्र पर बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने हंगामा किया तो विभाग की नींद खुली। और फिर आनन फानन में यहां 5 एमवीए के अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया। अब 10-10 एमबीए के बाद 5 एमबीए के एक और ट्रांसफार्मर लग जाने से इस उपकेंद्र की क्षमता 20 से बढ़कर 25 एमबीए हो गई है। इस उपकेंद्र से सैकड़ों गांवो की बिजली आपूर्ति की जाती है।

किंतु लंबा क्षेत्र होने के कारण यहां ओवरलोड और लोवोल्टेज की भीषण समस्या बनी रहती है। अब इस समस्या के निदान के लिए 20 के बाद 5 एमवीए का एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगने से क्षेत्र की विद्युत समस्या स्वयं में दूर हो जाएगी। एसडीओ सुधीर कुमार ने बताया कि उपकेंद्र की क्षमता बृद्धि से क्षेत्र में लो बोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से अब लोगों को निजात मिल जाएगी।

एग्जीक्यूटिव जियोलॉजिस्ट पद पर चयन हुआ जिले का लाल

करण वाणी न्यूज

मसौली, बाराबंकी। जनपद के होनहार नवयुवक ने माता पिता का नाम रोशन कर एग्जीक्यूटिव जियोलॉजिस्ट के पद पर सफलता हासिल की। यूपी के जनपद बाराबंकी के मुबारकपुर गांव से निकले होनहार उत्कर्ष ने चिराग की रोशनी से सफर तय कर आईआईटी धनबाद तक पहुंचने वाले मेधावी ने एनटीपीसी में सफलता हासिल की।उत्कर्ष ने एग्जीक्यूटिव जियोलॉजिस्ट के उच्च पद पर आसीन होकर उन्होंने न केवल जनपद के साथ गांव का मान बढ़ाया है बल्कि वह युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

डॉ. उमेश चंद्र के पोते ने मान बढ़ाया है। पेशे से संभ्रात किसान माने जाने वाले हुकुम सिंह व गृहणी संध्या देवी

अपने पुत्र की इस सफलता से गौरवान्वित हैं। क्षेत्र में खुशी की लहर है। बड़े पापा संजय मोहन ने इस सफलता को उसकी निष्ठा व लगन का नतीजा बताया।

बुजुर्ग दादी को जब इसकी भनक लगी तो खुशी के आंसू छलक उठे। मेधावी की इस सफलता पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से सेठ कौशल किशोर, ऐश्वर्य, संतोष, सुपरवाइजर अनीता, आरती, शिक्षिका आकांक्षा, डीओ आकाश मोहन, वैभव, आइरिस, अदवित, हेमंत वर्मा, राजेश वर्मा, आलोक वर्मा, मनीष कुमार, गिरीश कुमार, स्नेहलता, नीशू, डॉ. राजेंद्र, सुरेंद्र, अधिवक्ता राजा समेत तमाम लोग शामिल रहे।

रोटावेटर की चपेट मे आकर आठ वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत

करण वाणी न्यूज

बांगरमऊ ,उन्नाव। खेत की जुताई करते समय रोटावेटर हल की चपेट में आकर बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। हंसते खेलते बच्चे की मौत से घर परिवार में कोहराम मच गया । हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सेतुवाही निवासी झम्मन लाल का खेत गाँव के किनारे है । गत मंगलवार को शाम करीब 6 बजे रोटावेटर से झम्मन लाल के खेत की जुताई हो रही थी । ट्रैक्टर एक नाबालिग किशोर चल रहा था । जोताई के समय झम्मन लाल का 8 वर्षीय पुत्र मंजेश ट्रेक्टर पर बैठा था । इस दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से मंजेश ट्रैक्टर से गिरकर रोटावेटर हल के नीचे आ गया। ट्रैक्टर चालक कुछ समझ पाता कि इससे पहले मंजेश के ऊपर से रोटावेटर के धारदार लोहे के पहिए गुजर गए । जिससे मंजेश का एक पैर कट गया और सिर के चीथड़े उड़ गए । यह देख नाबालिग ट्रैक्टर चालक के होश उड़ गए। चालक ट्रैक्टर और रोटावेटर छोड़ भाग खड़ा हुआ । घटना की सूचना मिलते ही परिजन दौड़ कर मौके पर आ पहुंचे और आनन फानन घायल बच्चे को नजदीकी कस्बा बिल्हौर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हंसते खेलते बच्चे की मौत से घर परिवार में कोहराम मच गया।

मठियां गांव में फैला डायरिया, डेढ़ दर्जन बीमार

- संक्रामक रोग नियंत्रण टीम ने गांव में पहुंचकर किया मरीजों का उपचार

करण वाणी न्यूज

चंदौली। धानापुर विकास खंड क्षेत्र के मठ उछाल गिरी (मठियां) गांव में इस वक्त भीषण डायरिया फैल गया है। यहां डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग उल्टी दस्त से परेशान हैं। जबकि कइयों की हालत बेहद खराब है। सूचना मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की संक्रामक रोग नियंत्रण टीम ने गांव में पहुंचकर सभी का निःशुल्क इलाज किया, और ग्रामीणों को संक्रामक रोगों से बचाव के उपाय बताए। डॉक्टरों के मुताबिक अब गांव की हालत सामान्य है। उक्त गांव में चारों तरफ फैली गंदगी के कारण संक्रामक रोग (डायरिया) का प्रकोप बढ़ गया है। पिछले दो तीन दिन से एक एक कर लोग उल्टी दस्त से पीड़ित हो रहे थे। लेकिन मंगलवार की शाम को यह आंकड़ा बढ़ कर डेढ़

दर्जन से भी ज्यादा हो गया। इस गांव की मेहरुन्निसा 25, रबीना 22, आजाद अली 15, मंजू गिरी 35, पूनम गिरी 20, दक्ष 8, कार्तिक 4, हिमांशु 18, अंजली 12, अंशुल 4, यश 12, हिना 19, आयुषी 14, ईशान 20, ज्योया 5, प्रेमा 45 आदि अभी भी डायरिया से गंभीर रूप से संक्रमित हैं। इन सभी को प्रारंभिक उपचार के बाद कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां अब सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है।जबकि धर्मेंद्र गिरी 30, सूरज गिरी 15, यश गिरी 12, हिना 19 और प्रीति 22 की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। संक्रामक रोग नियंत्रण टीम के प्रभारी डॉ सौरभ जायसवाल एवं डॉ श्वेता वर्नवाल ने बताया कि डायरिया संक्रमण का मुख्य कारण गांव में चारों तरफ फैली गंदगी है। किंतु अब गांव से नए मरीजो का आना बंद हो गया है। ग्राम प्रधान, सेक्रेटरी, आशा और सफाई कर्मचारियों को भी गांव में साफ सफाई कराने एवं पेयजल स्रोतो को विसंक्रमित करने को कहा गया है।

ब्लीचिंग पाऊडर नदारत, कैसे विसंक्रमित होंगे पेयजल स्रोत: शासन के निर्देश पर प्रति वर्ष ग्राम प्रधान और आशा के संयुक्त खाते में 10 हजार रुपये की धनराशि भेजी जाती है। जिससे गांव में पेयजल स्रोतो को विसंक्रमित करने के लिए ब्लीचिंग पाउडर आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। लेकिन ज्यादातर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि गांव में ब्लीचिंग पाउडर नहीं खरीदा जाता है। बावजूद इसके रुपया गायब हो जाता है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रत्येक गांव में ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मांग किया है।

जैन फैक्ट्री में लगी भीषण आग, करोड़ो का हुआ नुकसान

- मौके पर पहुँची 15 दमकल गाडियाँ, लेकिन नाकाफी रहा इंतज़ाम
- ढाई वर्ष से बन रहा फायर ब्रिगेड, बना होता तो घट सकता नुक्सान

करण वाणी न्यूज

निन्दूरा, बाराबंकी। कुर्सी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर के समय औद्योगिक क्षेत्र में जैन प्लास्टिक सामग्री बनने वाली फैक्ट्री में आग लग गई देखते-देखते आग इतनी भयंकर थी कि आसमान में काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी फतेहपुर व लखनऊ से आग को बुझाने में लगी हुई है। 4 घंटे बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका औद्योगिक क्षेत्र लखनऊ महमूदाबाद मार्ग के किनारे प्लास्टिक कुर्सी मेज बाल्टी आदि प्लास्टिक बनाने वाली फैक्ट्री में बुधवार दोपहर करीब 12:00 बजे भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर दमकल की चार गाड़ियां आग को बुझाने में लगी हुई है। फैक्टरी में काम करने वाले लोगों को बाहर निकाला गया है और अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार दोपहर को औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लास्टिक की कुर्सी मेज बाल्टी पानी की बोतल टिफिन आदि प्लास्टिक समान बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली थी। शुरुआत में चार गाड़ियां मौके पर भेजी गई थी। बाद में जब आग की लपटे तेज निकलने लगी तब और लखनऊ बाराबंकी दमकल वाहन को मौके पर भेजा गया। अभी 10 गाड़ियों की मदद से आग को बुझाया जा रहा है। घटना के वक्त फैक्टरी के अंदर काम कर रहे श्रमिकों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि समय रहते सभी श्रमिक बाहर निकल आए और कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की पाच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। घंटों की मशक्कत के बावजूद आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। फैक्टरी से लगातार धुआं और लपटें उठती रहीं। फैक्टरी में प्लास्टिक के मग बाल्टी तसला डिब्बे और अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं तैयार की जाती है। आग की शुरुआत फैक्टरी के अंदर भाग से हुई जहां अचानक धुआं उठता दिखा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री मैनेजर अन्य कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग बेकाबू हो चुकी थी जिसके चलते आग पर काबू जब नहीं मिला तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी फतेहपुर से पहले दो गाड़ी पहुंची उसके बाद लखनऊ व बाराबंकी फतेहपुर व फैजाबाद से कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में लगी हुई है। दमकल की मौके पर 15 गाड़ियां आग बुझाने का प्रयास कर रही है लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। जैन फैक्ट्री में आग लगने कई करोड़ रूपए का नुकसान बताया जा रहा है।

स्कूल मर्जर से नाराज ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन

करण वाणी न्यूज

मौरावां, उन्नाव। विकासखंड हिलौली के गांव बाजखेड़ा में स्कूल मर्जर होने के विरोध में बच्चों व ग्रामीणों ने स्कूल गेट पर धरना प्रदर्शन किया। बुधवार को ग्राम बाजखेड़ा मजरे करदहा में छात्र नेता ज्ञानप्रकाश यादव की अगुवाई में स्कूल मर्जर के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि यकडी मेरे गांव का स्कूल शुरू नही किया गया तो गांव के समस्त ग्रामीण अनिश्चित कालीन का धरना प्रदर्शन किया जायेगा या तो सरकार एक सप्ताह के अंदर बाजखेड़ा का स्कूल पुनः शुरू कराए और इस गांव के बच्चे दो किलोमीटर दूर लालपुर (अमरीखेड़ा) पढ़ने नही जाएंगे। वही ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि सरकार का आदेश है कि जिस स्कूल में 30 बच्चों से कम है वे विद्यालय ही मर्ज किए जाएंगे लेकिन बाजखेड़ा प्राथमिक विद्यालय में कुल 33 बच्चे है फिर इस स्कूल को क्यों मर्ज किए गए है ये गलत है इस लिए मैं सरकार से मांग करता हूँ कि ये विद्यालय पुनः शुरू कराया जाय।

संक्षिप्त खबरें

आयरलैंड के उपनगर में 'नस्ली हमले में भारतीय घायल

डबलिन। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, पीड़ित कुछ हफ्ते पहले ही आयरलैंड पहुंचा था, जब शनिवार शाम को तलाग्ट के पार्कहिल रोड पर उस पर हमला हुआ। आयरलैंड में गार्डाई (पुलिस) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन के एक उपनगर में हुई ''नस्ली हिंसा÷ की घटना के बाद 40 वर्षीय एक भारतीय व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आयरलैंड में भारतीय राजदूत ने अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, पीड़ित कुछ हफ्ते पहले ही आयरलैंड पहुंचा था, जब शनिवार शाम को तलाग्ट के पार्कहिल रोड पर उस पर हमला हुआ। आयरलैंड में गार्डाई (पुलिस) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस ने एक बयान में कहा, तलाग्ट में गार्डाई को 19 जुलाई की शाम लगभग छह बजे पार्कहिल रोड, तलाग्ट, डबलिन 24 पर एक घटना के बारे में सूचना मिली थी। गार्डाई घटनास्थल पर पहुंची और 40 साल की उम्र के एक व्यक्ति को घायल अवस्था में तलाग्ट विश्वविद्यालय अस्पताल ले गई।

शारजाह में केरल की महिला की संदिग्ध मौत, 15 दिन में दूसरा केस

कोल्लम में दहेज निषेध अधिनियम के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, अथुल्या को शादी में सोना और दोपहिया वाहन दहेज में दिया गया था, लेकिन उसे लेकर प्रताड़ना की जाती रही। आरोप है कि अथुल्या की हत्या गला घोंटकर, पेट पर लात मारकर और सिर पर प्लेट से वार कर की गई। सतीश को दुबई की कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया है। दोनों की शादी को 12 साल हो चुके थे और उनकी एक बेटी है।केरल के कोल्लम की एक 29 वर्षीय महिला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गई। उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने दहेज के लिए उसे परेशान किया था। अतुल्य शेखर, जिनकी शादी 2014 में कोल्लम निवासी सतीश से हुई थी, शारजाह स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गईं। उसकी माँ ने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि सतीश ने 18 और 19 जुलाई के बीच उसका गला घोंटा, उसके पेट पर लात मारी और उसके सिर पर प्लेट से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। कोल्लम में दहेज निषेध अधिनियम के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी पर प्रधानमंत्री ओली ने लगाया ब्रेक

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के सक्रिय राजनीति में आने की घोषणा पर पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने ब्रेक लगा दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) की केंद्रीय समिति की बैठक में भंडारी की पार्टी सदस्यता खारिज करने और सक्रिय राजनीति में कोई भूमिका नहीं देने का निर्णय किया गया है।

सीपीएन-यूएमएल ने निष्कर्ष निकाला है कि पूर्व राष्ट्रपति भंडारी, जिन्होंने नेपाल सेना के राष्ट्राध्यक्ष और कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है, उन्हें पार्टी की राजनीति में वापस नहीं लौटना चाहिए यूएमएल के प्रचार प्रमुख राजेंद्र गौतम के अनुसार, मंगलवार को आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान पार्टी ने निष्कर्ष निकाला कि एक पूर्व राष्ट्रपति को जो गणतंत्र का प्रतीक होता है उन्हें पार्टी का नेता या कैडर बनाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। मंगलवार की मध्यरात तक चली पार्टी बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग में गौतम ने कहा कि पार्टी पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का सम्मान करती है, लेकिन जिस व्यक्ति ने इस तरह का उच्च संवैधानिक पद संभाला है, उसे फिर से किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की भागीदारी राष्ट्रपति पद की गरिमा को कमजोर करेगी और जनता की आलोचना को आमंत्रित करेगी। पार्टी की बैठक में केपी शर्मा ओली को यूएमएल अध्यक्ष के रूप में बने रहने का भी समर्थन मिला, जिसमें 70 साल की आयु सीमा और दो कार्यकाल की सीमा को हटा दिया गया। इन संशोधनों को आगामी विधान सम्मेलन में पारित किए जाने की उम्मीद है। गौतम ने कहा कि बैठक में बोलने वाले अधिकांश नेताओं ने मिशन-2084 अभियान के लिए ओली के निरंतर नेतृत्व का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे और युवराज ज्ञवाली सहित कुछ नेता और स्थायी समिति के सदस्य कर्ण बहादुर थापा भंडारी को वापस लौटने से रोकने के फैसले से असहमत थे।

बांग्लादेश में ट्रक और बस में टक्कर, छह लोगों की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के राजशाही विभाग के ग्राणीण क्षेत्र में आज सुबह हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। फिलहाल एक मृतक की पहचान हो सकी है। कुछ लोग घायल हैं। उन्हें पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर में बोनपारा हाइवे पुलिस थाना प्रभारी इस्माइल हुसैन के हवाले से बताया गया है कि सुबह लगभग 9:30 राजशाही विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के नाटोर जिला के बरईग्राम उपजिला में ट्रक और मिनी बस के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना बोनपारा-हतीकुमरुल राजमार्ग पर एयरमारी में तारमुज पंप क्षेत्र के सामने हुई। मृतकों में अभी तक केवल बस चालक 32 वर्षीय रुबेल हुसैन की पहचान हो पाई है। वह मेहरपुर के गंगनी उपजिला का रहने वाला है। हाइवे थाना प्रभारी हुसैन ने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग बस यात्री हैं। यह बस मेहरपुर से ढाका जा रही थी। एयरमारी में विपरीत दिशा से आ रहे सीमेंट से लदे ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। चालक रुबेल हुसैन समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बरईग्राम उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया। वहां एक घायल ने दम तोड़ दिया। शेष घायल यात्रियों को बाद में राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शी मिजानुर रहमान के अनुसार, बस एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी तभी उसकी टक्कर सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। मारे गए छह लोगों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। हाइवे पुलिस के अनुसार, ट्रक को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

नाकाम हुआ पाकिस्तानी सेना का शाहीन-3 मिसाइल परीक्षण

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में अपनी शाहीन-3 मिसाइल का परीक्षण किया। लेकिन यह परीक्षण में बुरी तरह नाकाम रहा। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। मिसाइल बलोचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई थी, जो नागरिक इलाकों के पास जाकर गिरी। बलूच नेता मीर यार बलोच ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बलूच विद्रोही बलूचिस्तान को पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानते हैं और इस पर पाकिस्तान के कब्जे का विरोध करते हैं।

बलूच नेता मीर यार बलोच ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बलूच गणराज्य पाकिस्तान के बार-बार नाकाम मिसाइल परीक्षणों की कड़ी निंदा करता है। पाकिस्तान लगातार बलूचिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन कर रहा है और आम नागरिकों की जान खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की कब्जा करने वाली सेना ने 22 जुलाई को बलूचिस्तान गणराज्य में एक नाकाम मिसाइल परीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मिसाइल बलूचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई, जो नागरिक इलाकों के पास लूप सहरानी लेवी स्टेशन से केवल 500 मीटर उत्तर की ओर गिरी। अगर यह मिसाइल थोड़ी भी दिशा से भटक जाती, तो भारी जनहानि और संपत्ति को बड़ा नुकसान हो सकता था।

उन्होंने कहा, यह कोई एकमात्र मामला नहीं है। पाकिस्तानी सेना लंबे समय से मिसाइल परीक्षण को एक बहाना बनाकर रणनीतिक क्षेत्रों से बलूच लोगों को जबरन हटाने का काम कर रही है, जिसमें डेरा बुगती, कहान और आसपास के इलाके शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने धमकियों और डराने-धमकाने की घटनाओं की जानकारी दी है, जो एक बेहद चिंताजनक चलन (पैटर्न) की ओर इशारा करता है। जबरन विस्थापन की नीति सरकारी स्तर पर की जा रही है, ताकि संसाधनों के दोहन के लिए खुला रास्ता मिल सके। मीर यार बलोच ने कहा, हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान का और अधिक सैन्यकरण कर दिया है। विदेशी ताकतों के साथ मिलकर इस क्षेत्र को उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य आधुनिक हथियारों के परीक्षण स्थल में बदल दिया है। यह याद रखना जरूरी है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। अक्तूबर 2023 में एक और नाकाम मिसाइल परीक्षण किया गया था, जिसमें पंजाब से छोड़ी गई मिसाइल डेरा बुगती की कृषि भूमि में गिर गई थी, जो आबादी वाले इलाकों के बेहद करीब थी। उन्होंने बताया, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने कब्जे वाले बलूचिस्तान के चगई जिले में बिना स्थानीय जनता की सहमति के छह परमाणु परीक्षण किए थे। दशकों बाद भी वह इलाका खतरनाक परमाणु विकिरण से प्रभावित है, जिससे कैंसर, पुरानी त्वचा की बीमारियां और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं अब भी स्थानीय बलूच लोगों में देखी जा रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, हम संयुक्त राष्ट्र, यूएन सुरक्षा परिषद और संबंधित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से अपील करते हैं कि पाकिस्तान पर हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए; उसके बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं; बलूचिस्तान में आम नागरिकों और संप्रभुता पर बार-बार हो रहे हमलों की जांच करवाई जाए; मिसाइल परीक्षणों और वायु सेना की बमबारी के डर से हो रहे बलूच आबादी के जबरन विस्थापन की निगरानी की जाए।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। करीब 20 से अधिक बार ट्रंप संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इस संघर्ष में पांच फाइटर जेट मार गिराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। जबकि भारत बार-बार इसका खंडन कर रहा है। वहीं ट्रंप के इस दावे को कांग्रेस ने सिल्वर जुबली करार दिया है। रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रोक दिए। ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान में जो चल रहा था। वहां से विमानों को मार गिराया जा रहा था। मुझे लगता है कि पांच जेट मार गिराए गए थे।

चीन ने अमेरिका के एक सरकारी कर्मचारी को देश छोड़ने से रोका, वॉशिंगटन ने जताई गहरी चिंता

एजेंसी

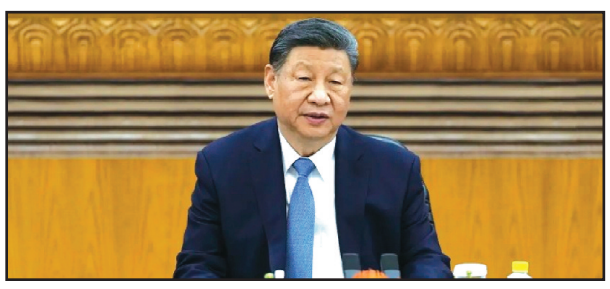

वॉशिंगटन। चीन ने अमेरिका के एक सरकारी कर्मचारी को देश छोड़ने से रोक दिया है, जिसकी पुष्टि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को की। यह कर्मचारी निजी यात्रा पर चीन गया था, लेकिन अब उसे वहां से निकलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह घटना अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है।

विदेश विभाग ने कर्मचारी की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन बताया कि वह अमेरिकी पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय से जुड़ा है, जो कि वाणिज्य विभाग के अंतर्गत आता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ÷हम इस मामले पर बहुत नजदीकी से निगरानी रखे हुए हैं और जल्द समाधान के लिए चीनी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। विदेश विभाग ने बयान में कहा, अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा और उनकी रिहाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दरअसल, चीन में यदि कोई व्यक्ति किसी जांच या कानूनी विवाद में शामिल होता है, तो उसके देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। लेकिन पश्चिमी देशों ने आरोप लगाया है कि चीन इस नीति का मनमाने ढंग से दुरुपयोग करता है और विदेशी नागरिकों को भी इससे प्रभावित किया जाता है। इसी नीति के चलते हाल ही में वेल्स फारगो बैंक की एक अमेरिकी कर्मचारी चेन्युए माओ को भी चीन छोड़ने से रोका गया था, जिसके बाद बैंक ने चीन के लिए सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने माओ के मामले पर कहा कि वह एक आपराधिक जांच का हिस्सा हैं और कानून के तहत उनके बाहर जाने पर रोक है। हालांकि उन्होंने अमेरिकी सरकारी कर्मचारी के मामले में कहा, इस बारे में मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। अमेरिका पहले भी चीन में लागू इस तरह की नीतियों को लेकर चिंता जाहिर कर चुका है और अपने नागरिकों को वहां यात्रा करने से पहले सोचने की सलाह दी थी। हालांकि नवंबर 2024 में तीन अमेरिकी नागरिकों की रिहाई के बाद यात्रा चेतावनी को थोड़ी राहत दी गई थी।

पाक के पूर्व पीएम इमरान खान को बड़ा झटका, सात नेताओं को 10 साल की कैद

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सात प्रमुख नेताओं को 2023 के दंगों के मामलों में 10 साल कैद की सजा सुनाई गई है। लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्रियों यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद, और लाहौर में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ पिछला चुनाव लड़ने वाले वकील अज़ीम पाहट को 9 मई, 2023 को शारपाओ ब्रिज दंगों से संबंधित मामले में 10-10 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत के एक अधिकारी ने पीटीआई- से कहा, ''लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद तथा एडवोकेट अजीम पाहत को 10-10 साल की सजा सुनाई।'' ये सभी नेता नौ मई को हुई हिंसा के सिलसिले में आतंकवाद के आरोपों के तहत कई मामलों का सामना कर रहे हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का अनुमान है कि इन नेताओं को नौ मई को हुई हिंसा से जुड़े अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया जा सकता है। इसके अलावा, लाहौर की एक अदालत ने शहर में हुए दंगों में संलिप्तता के लिए पीटीआई के आठ सदस्यों को 10-10 साल जेल की सजा सुनाई। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है उनमें पंजाब प्रांत के पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री यास्मीन राशिद और वर्तमान सीनेटर एजाज अहमद चौधरी शामिल हैं। हालांकि, पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और पांच अन्य को बरी कर दिया गया। दंगों के बाद, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सहित हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में हैं। संघीय सरकार ने एटीसी द्वारा सुनाई गई सजा का स्वागत किया है और इसे एक सकारात्मक कदम बताया है। पीटीआई पंजाब इकाई की प्रमुख आलिया हमजा, वरिष्ठ नेता बाबर अवान और विधायक असद कैसर ने सजा की निंदा करते हुए कहा कि इन मामलों में न तो पारदर्शी और न ही कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया और न ही कोई विश्वसनीय गवाह पेश किया गया।

21 बच्चों ने भूख से तोड़ा दम, माएं ताक रहीं आसमान

गाजा। गाजा पट्टी में एक ही दिन में चार बच्चों सहित कम से कम 15 फ़िलिस्तीनी भूख से मर गए, जिससे इज़राइल युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या 101 हो गई है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई जब इज़राइली सेना गाजा पर लगातार बमबारी कर रही है, जिसमें कम से कम 81 लोग मारे गए हैं, और संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र की स्थिति को भयावह बताया है, जिसमें हाल के दिनों में अभूतपूर्व मृत्यु और विनाश का स्तर है। फ़िलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में भुखमरी से संबंधित 15 मौतों में चार बच्चे शामिल हैं और कुल 101 मौतों में 80 बच्चे शामिल हैं। ज़्यादातर मौतें पिछले कुछ हफ़्तों में हुई हैं। डॉक्टरों के अनुसार, मंगलवार को मरने वाले बच्चों में छह हफ़्ते का यूसुफ़ अल-सफ़ादी भी शामिल था, जिसकी उत्तरी गाज़ा शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई, और 13 साल का अब्दुल हमीद अल-ग़लबान भी शामिल था।

एडिलेड में भारतीय व्यक्ति पर हुआ जानलेवा हमला

एजेंसी

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में सड़क पर एक भारतीय युवक पर जानलेवा हमला किया गया और फिर उसे वहीं बेहोशी की हालत में मरने के लिए छोड़ दिया गया। युवक की पहचान चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ लोगो ने उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां कीं और मारपीट की। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले सिंह से कहा गया, यहां से भाग जा, इंडियन और फिर उस पर लगातार घूंसे बरसाए गए। घटना शनिवार रात (स्थानीय समय अनुसार) शहर के केंद्र में स्थित किंटोर एवेन्यू के पास हुई। चरणप्रीत सिंह (23 वर्षीय) अपनी कार में था, तभी कुछ लोगों का एक समूह उसके पास आया, नस्लवादी बातें करने लगे लगे और बिना किसी उकसावे के उस पर हमला कर दिया। हमले में चरणप्रीत को गंभीर चोटें आईं। उनके सिर पर गहरी चोट और चेहरे की कई हड्डियां टूटी हैं।

उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका रातभर उपचार चलता रहा।

साउथ ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने रविवार को एनफील्ड इलाके से एक युवक (20 वर्षीय) को गिरफ्तार किया है और उस पर हमला कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, बाकी हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए और उनकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आम लोगों से मदद मांगी है ताकि वह बाकी हमलावरों को पकड़ सके। इस हमले से एडिलेड में भारतीय समुदाय आक्रोश में है। ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर चरणप्रीत सिंह के लिए समर्थन मिल रहा है और कई लोग नस्लीय हमलों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अस्पताल में चरणप्रीत सिंह ने कहा कि यह हमला उन्हें अंदर से झकझोर गया है। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाएं जब होती हैं तो लगता है कि वापस चले जाना चाहिए। आप शरीर में कुछ भी बदल सकते हैं, लेकिन रंग को नहीं। साउथ ऑस्ट्रेलिया के मुख्यमंत्री पीटर मलीनाउसकस ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने 9न्यूज से कहा, जब भी हमें किसी नस्लीय हमले के सबूत मिलते हैं, वह हमारे राज्य में बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और यह हमारे समाज की सोच से मेल नहीं खाता। पुलिस मामले की जांच कर रही है और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है। बाकी हमलावर अब भी फरार हैं।

पाक में मानसून का कहर, भूस्खलन, रास्ते बंद, 234 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मानसून से त्राहिमाम-त्राहिमाम है। बरसात, बाढ़ और भूस्खलन से रास्ते बंद हो गए हैं। बादलों के फटने से बड़ी तबाही हुई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के ताजा आंकड़े हृदयविदारक हैं। इन आंकड़ों में 26 जून से अब तक कम से कम 234 लोगों की मौत होने की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि 596 लोग घायल हुए हैं और 826 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राहत, बचाव और खोज अभियान में सेना को शामिल किया गया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर में एनडीएमए के ताजा आंकड़े साझा किए गए हैं। कहा गया है कि अब तक 203 पशुओं की मौत हो चुकी है। बड़े पैमाने पर परिवार विस्थापित हुए हैं। मुल्क में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ। राहत, बचाव और खोज अभियान के तहत 450 लोगों को बचाया गया है। प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 27 राहत और चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं।

प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। उत्तरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कभी भी बारिश शुरू हो सकती है। गिलगित-बाल्तिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थिति गंभीर है। डायमर के उपायुक्त अत्ता-उर-रहमान के अनुसार, सोमवार को बादल फटने से बाबूसर में चार पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक दर्जन से अधिक लोग लापता हैं। बचाव और खोज अभियान जारी है।

बाबूसर रोड का सात-आठ किलोमीटर का हिस्सा ध्वस्त हो गया है। 200 से अधिक फंसे हुए पर्यटकों को बचाकर चिलास लाया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि हताहतों की संख्या का ब्यौरा देश भर में बारिश से जुड़ी घटनाओं से हुई तबाही की एक भयावह तस्वीर पेश करता है। इसमें बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

मानसून के कहर से पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत है। प्रांत में 48 पुरुषों, 24 महिलाओं और 63 बच्चों सहित 135 लोगों की मौत हो चुकी है। 470 लोग घायल हुए हैं। खैबर-पख्तूनख्वा में 56 लोगों की जान गई है। इनमें 16 पुरुष, 10 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हैं। इस बीच पिछले 24 घंटे में सिंध में 24, बलूचिस्तान में 16, पीओके में दो और इस्लामाबाद में एक बच्चे की मौत हो गई। मलम जब्बा के सुर ढेराई में दो छोटे लड़के अपनी मां के साथ नाला पार करते समय डूब गए। गूजर बंद शांको में मकान ढहने से तीन बच्चों की मौत हो गई। देशभर में हजारों विस्थापित नागरिकों की सहायता के लिए लाइफ जैकेट, स्वच्छता किट, प्लास्टिक मैट और जेरी कैन सहित अतिरिक्त आपूर्ति की जा रही है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित-बल्तिस्तान, अजरबैजान, इस्लामाबाद और पीओके में तेज बारिश जारी रहने की चेतावनी जारी की है। इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, गुजरांवाला और अन्य प्रमुख शहरों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। मुर्री, गलियात, चित्राल और हुंजा में भूस्खलन होने की आशंका है।

कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान को लेकर कांग्रेस के महासचिव ने दी समर्थन वापसी की चेतावनी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) सिविल सेवा विधेयक में ÷कूलिंग-ऑफ पीरियड÷ प्रावधान के संबंध में राज्य मामलों और सुशासन समिति की सिफारिश के खिलाफ जाती है तो वह सरकार को जारी समर्थन वापस ले सकती है।

नेपाली कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के अवकाश के तुरंत बाद राजनीतिक नियुक्ति के प्रावधान का नेपाली कांग्रेस कभी समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन लोगों ने कूलिंग-ऑफ अवधि के संबंध में गलत काम किया है, उन्हें दंडित किया जाएगा। इसे दो साल से बढ़ाकर ढाई साल किया जा सकता है, लेकिन इसे हटाया नहीं जाएगा। नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी ओली की पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा नेशनल असेंबली के माध्यम से इसे बदलने केलिए जो संशोधन प्रस्ताव रखा है वह गठबंधन के फैसले के खिलाफ है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली को इस पर अपनी धारणा को स्पष्ट करना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव शर्मा ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री के निर्देश पर इस कूलिंग पीरियड को हटाने का कोई प्रयास किया जाता है, या सरकार समिति की सिफारिश के खिलाफ काम करती है, तो कांग्रेस इस सरकार का समर्थन नहीं करती रहेगी।

सत्तारूढ़ गठबंधन और संसदीय समिति में सरकारी कर्मचारियों के लिए राजनीतिक नियुक्ति पाने के लिए दो वर्ष का कूलिंग पीरियड रखने पर सहमति हुई थी लेकिन इसके विपरीत धोखे से इस प्रावधान को हटा कर प्रतिनिधि सभा से इसे पारित कर दिया गया था। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद संसद के उच्च सदन से इसे कूलिंग पीरियड के साथ ही पारित करने को लेकर गठबंधन में सहमति हुई और उसी के हिसाब से इस विधेयक को राष्ट्रीय सभा में पेश किया गया। गठबंधन दलों के बीच हुई सहमति के विपरीत प्रधानमंत्री ओली की पार्टी के कई सांसदों ने कूलिंग पीरियड को हटाने के लिए फिर से संशोधन प्रस्ताव रखा है जिसके कारण गठबंधन दल नेपाली कांग्रेस और यूएमएल के बीच में विवाद बढ़ गया है।

शख्स ने छेड़ा तो थप्पड़ जड़ा

दीपिका ने यह बात एक रियलिटी शो के दौरान कही थी। आज वो 39 साल की हो गई हैं। जन्मदिन पर जानते है कि एक्ट्रेस ने डिप्रेशन से बाहर निकलने के लिए क्या किया। द लिव लव लाफ फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे उनकी क्या सोच रही है। मां बनने के बाद किस तरह की चुनौतियां आईं, और आने वाले प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

नेशनल लेवल की बैडमिंटन खिलाड़ी रह चुकी हैं

दीपिका पादुकोण के पिता प्रकाश पादुकोण मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। पहले दीपिका का भी झुकाव बैडमिंटन की ओर था। वो नेशनल लेवल की बैडमिंटन खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। आठ साल की उम्र में दीपिका ने पहली बार एक विज्ञापन के लिए काम किया। तब उन्हें एहसास हुआ कि उनकी रुचि बैडमिंटन में नहीं है।

परिवार के सभी सदस्य के नाम का एक ही मतलब

दीपिका पादुकोण के पेरेंट्स, उनकी छोटी बहन और खुद के नाम का एक ही मतलब है। प्रकाश पादुकोण, उज्ज्वला पादुकोण, दीपिका और अनीशा के नाम का एक ही मतलब प्रकाश होता है। दीपिका की मां उज्जवला पादुकोण एक ट्रैवल एजेंट थीं और छोटी बहन अनीशा पादुकोण गोल्फर हैं।

बीच सड़क पर एक शख्स को थप्पड़ जड़ दिया था

दीपिका पादुकोण के पेरेंटस को विश्वास था कि वो खुद अपना ध्यान रख सकती हैं। हाल ही में इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बचपन की एक घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा- जब मैं 14 साल की थी, तब पेरेंटस के साथ रेस्टोरेंट से खाना खाकर आ रहे थे। मेरी बहन और मेरे पापा आगे चल रहे थे और मैं अपनी मम्मी के साथ पीछे चल रही थी। तभी एक आदमी ने आकर मेरे साथ बदतमीजी करनी शुरू कर दी, मैं चाहती तो वह सब इग्नोर कर सकती थी, लेकिन मैं पीछे मुड़ी और उस शख्स के पास जाकर उसका कॉलर पकड़ लिया और बीच सड़क पर उसे थप्पड़ मारकर वापस आ गई।

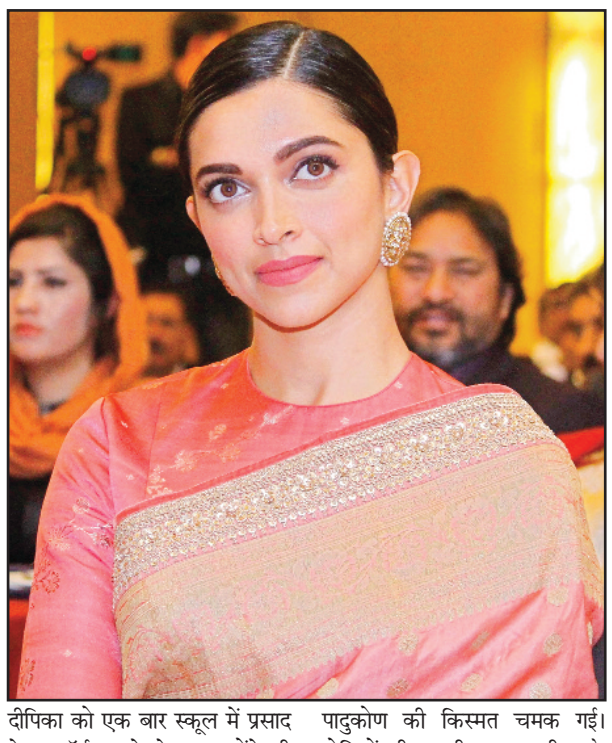

प्रसाद बिदापा ने मॉडल बनने का सुझाव दिया

दीपिका पादुकोण को मॉडलिंग की दुनिया में लाने का श्रेय फैशन गुरु प्रसाद बिदापा को जाता है। दरअसल, दीपिका को एक बार स्कूल में प्रसाद ने परफॉर्म करते देखा। उन्होंने ही दीपिका को मॉडल बनने का सुझाव दिया। 2004 में दीपिका ने लिरिल साबुन के एड में काम किया था। इस एड से उन्हें लोकप्रियता मिली। वो किंगफिशर कैलेंडर गर्ल भी रह चुकी हैं।

सांवरिया होती पहली फिल्म

बताया जाता है कि दीपिका पादुकोण ओम शांति ओम के बजाय संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से डेब्यू करने वाली थीं। फिल्म को लेकर उनकी बातचीत भी हो गई थी। बाद में भंसाली ने दीपिका पादुकोण की बजाय सोनम कपूर को मौका दिया। 'सांवरिया' और ओम शांति ओम' 2007 में एक दिन रिलीज हुई थी। जहां ओम शांति ओम बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, वहीं सांवरिया संजय लीला भंसाली के करियर की फ्लॉप फिल्म साबित हुई।

करीना के फिल्म छोड़ने से चमकी किस्मत

संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला - रामलीला में पहले करीना कपूर खान काम करने वाली थीं। करीना को लगा कि उनके रोल से ज्यादा रणवीर सिंह का रोल पावरफुल है। इसलिए उन्होंने फिल्म की शूटिंग से मात्र 10 दिन पहले इसे छोड़ दिया था।

करीना के बाद फिल्म दीपिका पादुकोण को मिली। यहां से दीपिका पादुकोण की किस्मत चमक गई। गोलियों की रासलीला - रामलीला के बाद दीपिका पादुकोण ने संजय लीला भंसाली के साथ बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं।गोलियों की रासलीला - रामलीला की शूटिंग के दौरान ही दीपिका और रणवीर सिंह के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों ने 2018 में शादी कर ली। 9 सितंबर 2024 को दोनों पेरेंट्स बने। बेटी का नाम दुआ पादुकोण सिंह रखा है।

साल 2013 में चार हिट फिल्में दीं

दीपिका पादुकोण के लिए 2013 बहुत ही लकी साल रहा है। इस साल उनकी फिल्में गोलियों की रासलीला राम-लीला, ये जवानी है दीवानी, चेन्नई एक्सप्रेस और रेस 2 हिट रहीं। एक तरफ दीपिका जहां लगातार कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती जा रही थीं। वहीं, वे धीरे-धीरे डिप्रेशन में भी जाने लगीं।

डिप्रेशन के दौरान सुसाइड के ख्याल आने लगे थे

दीपिका ने 2014 में डिप्रेशन का सामना किया था। कई बार दीपिका इस मुद्दे पर बात कर चुकी हैं। दीपिका ने अपने डिप्रेशन के दिनों के बारे में बात करते हुए बताया था कि उन दिनों एक ऐसा वक्त भी आया था जब वह सुसाइड के बारे में सोचने लगी थीं।

डिप्रेशन से बाहर निकलने में मां ने मदद की

दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि डिप्रेशन से बाहर निकलने में उनकी मां ने मदद की थी। दीपिका ने कहा था- मां ने मेरी उस स्थिति को पहचाना था। मुझे नहीं पता था कि कैसे मैं डिप्रेशन का शिकार हो गई थी। उस समय मैं अपने करियर की ऊंचाई पर थी और सब ठीक चल रहा था।

मां के सवाल का जवाब नहीं था

मेरी हालत देखकर मेरी मां ने मुझसे कुछ आम सवाल किए थे कि बॉयफ्रेंड की वजह से कुछ है? इंडस्ट्री में कुछ हुआ है? किसी ने कुछ कहा है? इन सवालों का मेरे पास कोई जवाब नहीं था क्योंकि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं था। बस मेरे अंदर एक खालीपन था। मेरे पेरेंट्स बेंगलुरु में रहते हैं और जब वह मुझसे मिलने आते थे तब मैं हमेशा खुद को मजबूत दिखाती थी। सब ठीक चल रहा था, लेकिन एक दिन जब मेरे पेरेंट्स वापस जा रहे थे तब मैं उनके सामने टूट गई और अचानक रोने लगी।

लोगों को जागरूक करने की जरूरत महसूस हुई

दीपिका बताती हैं कि मां ने कहा कि तुम्हें प्रोफेशनल की मदद लेनी चाहिए। मैं मनोचिकित्सक के पास गई। डॉक्टर ने मुझे दवाएं लिखीं और अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव लाने की सलाह दी। नींद, हेल्दी खाने, व्यायाम और माइंडफुलनेस की प्राथमिकता तय की। इस प्रोसेस ने मुझे इस बात के लिए ज्यादा जागरूक किया कि मैं कौन हूं? इस दौरान मुझे एहसास हुआ कि इस तरह के मेंटल हेल्थ इश्यूज से और लोग भी गुजर रहे होंगे। लोगों को इस बारे में जागरूक करने की जरूरत है।

'द लिव लव लाफ फाउंडेशन की स्थापना की

दीपिका ने देश से लेकर विदेश तक कई मंचों पर डिप्रेशन और मेंटल हेले थ पर जागरूकता बढ़ाने का काम किया। उन्होंने 2015 में द लिव लव लाफ फाउंडेशन की स्थापना की, जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और जरूरी सहायता देने का काम करती है।

उनकी यह संस्था महिलाओं की शिक्षा और उनके स्वास्थ्य को लेकर भी काम करती है। इस फाउंडेशन की सीईओ दीपिका की छोटी बहन अनीशा हैं।

माधुरी को मनहूस मानते थे इंडस्ट्री वाले

डायरेक्टर इंद्र कुमार ने खुलासा किया है कि 80 के दशक में माधुरी दीक्षित की कोई फिल्म नहीं चल रही थी। जिस फिल्म में वे नजर आतीं, वह फिल्म फ्लॉप हो जाती। इस वजह से इंडस्ट्री के लोग उन्हें मनहूस मानने लगे थे। डायरेक्टर्स उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने से कतराते थे।सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में इंद्र कुमार ने कहा- उस समय आमिर खान के पास सिर्फ एक हिट फिल्म थी- कयामत से कयामत तक। जबकि माधुरी की एक भी फिल्म नहीं चली थी। उन्हें मनहूस कहा जाता था।

जब मैंने उन्हें आमिर खान के साथ फिल्म दिल में साइन किया तब भी सब ठीक था। लेकिन जब मैंने उन्हें फिल्म बेटा के लिए साइन किया तो सभी ने कहा- तुम पागल हो गए हो। इसकी कोई फिल्म नहीं चल रही है।

इंद्र कुमार ने माधुरी पर जताया था भरोसा

उन्होंने आगे बताया- उस समय तक एक इंटरव्यू आ चुका था जिसमें कहा गया था कि माधुरी एक मनहूस एक्ट्रेस हैं। वह जिस भी फिल्म में होती हैं, वह फ्लॉप हो जाती है। फिर भी मैंने 1988 में माधुरी के साथ फिल्म बेटा और दिल दोनों में काम करना शुरू कर दिया। मुझे उन पर भरोसा था। मेरा दिल कह रहा था कि यार इसमें बात है, कुछ है इसमें।

इंद्र कुमार ने यह भी बताया कि दो धमाकेदार हिट फिल्में, तेजाब और राम लखन देने के बाद उनका फ्लॉप टैग गायब हो गया। उन्होंने कहा- इसके बाद, मैं भी भाग्यशाली रहा। मैंने अक्टूबर में फिल्म शुरू की और दिसंबर 1988 में तेजाब रिलीज हुई और जनवरी 1989 में राम लखन रिलीज हुई। इस तरह माधुरी का फ्लॉप वाला टैग हट गया था।

कितनी भी मुश्किलों का सामना करना पड़े, आखिर तक इसका हिस्सा रहूंगी

पिछले कुछ समय से टीवी शो अनुपमा सुर्खियों में बना हुआ है। इसी बीच खबरें आई थीं कि शो की लीड एक्ट्रेस रूपाली गांगुली (अनुपमा) शो छोड़ रही हैं। अब रूपाली ने इन खबरों का खंडन किया है और कहा कि वह आखिर तक अनुपमा का हिस्सा बनी रहेंगी।

न्यूज 18 के मुताबिक, रूपाली ने कहा, 'वाह, लोग सच में बहुत ज्यादा कल्पना करते हैं। लेकिन मेरे बारे में और शो के बारे में बात करने के लिए धन्यवाद। मैं क्या कहूं? हर इंसान का एक कोर होता है और मेरा कोर आभार है। मेरे पति और मैं दोनों मानते हैं कि राजन जी ने मुझे एक अलग पहचान, प्लेटफॉर्म और पोजीशन दी है। मैं इस जीवन में कभी भी उसका बदला नहीं चुका पाऊंगी।'

रूपाली ने आगे कहा, 'अनुपमा' मेरे लिए सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि यह मेरे लिए एक भावना है। यह मेरा घर है, मेरा दूसरा घर है, मेरे सभी प्यारे बच्चे यहां हैं, और पूरी यूनिट एक परिवार की तरह बन गई है। तो क्या कोई अपना परिवार, अपना घर छोड़ता है? और भगवान न करे, जिंदगी में ऐसा कभी न हो।'

रूपाली की मानें तो अगर राजन जी कभी कहते हैं कि उन्हें अब उनकी जरूरत नहीं है, तो वह उनसे लड़ सकती हैं, या बहस कर सकती हैं और कह सकती हैं- प्लीज उन्हें अनुपमा में रहने दें। यह शो मैं आखिर तक नहीं छोड़ूंगी, फिर चाहे कितनी भी मुश्किलों का सामना करना पड़े।

प्रोड्यूसर दीपा शाही और राजन शाही ने इस मामले में अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा, 'हम यह साफ करना चाहते हैं कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। अनुपमा हमेशा एक ऐसा शो रहा है जो असली भावनाओं और रिश्तों को दिखाता है, और इसकी सफलता हमारे शानदार कास्ट और क्रू की मेहनत, साथ ही हमारे दर्शकों के प्यार और समर्थन के कारण है।

हम समझते हैं कि यह शो हमारे दर्शकों के लिए कितना खास है, और हम चाहते हैं कि आप हमेशा हमारे साथ रहें। अगर कभी कुछ बड़ा बताने जैसा होगा, तो हम आपको सीधे जानकारी देंगे।

बता दें, अनुपमा टीवी का नंबर वन शो रहा है। कुछ समय पहले शो में लीप आया था। इसके बाद शो की लगभग पूरी कास्ट बदल दी गई थी।

टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली इन दिनों अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा के साथ विवाद को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच, ईशा ने एक बार फिर रूपाली पर तंज कसा है।

उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट डाला, जिसमें लिखा, 'पैसा सच्चाई को बस कुछ समय तक के लिए छुपा सकता है।

उन्हें बातें करना बहुत पसंद है, मुझे शांति चाहिए होती है

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में गोविंदा से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्होंने बताया कि जब गोविंदा से पहली बार उनकी मुलाकात हुई थी, तब वह एक टॉमबॉय थीं, और इसी कारण गोविंदा उन्हें लड़का कहते थे। सुनीता ने यह भी बताया कि वे दोनों अलग-अलग रहते हैं।

हिंदी रश से बातचीत में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कहा, 'हमारे पास दो घर हैं। हमारे अपार्टमेंट के सामने एक बंगला है। फ्लैट में मेरा मंदिर और मेरे बच्चे हैं। हम फ्लैट में रहते हैं, जबकि उन्हें (गोविंदा) अपनी मीटिंग्स के बाद देर हो जाती है। वह बातचीत करना पसंद करते हैं, इसलिए वह 10 लोगों को इकट्ठा करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। जबकि मैं, मेरा बेटा और मेरी बेटी एक साथ रहते हैं।

लेकिन हम कम ही बात करते हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि अगर आप ज्यादा बात करके अपनी एनर्जी बर्बाद कर रहे हैं।

सुनीता ने यह भी बताया कि गोविंदा हमेशा काम करते रहते हैं और उनके पास रोमांस के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा है कि अगले जन्म में वह मेरे पति नहीं बने। वह छुट्टी पर नहीं जाते। मैं एक ऐसी इंसान हूं, जो अपने पति के साथ बाहर जाना चाहती है और सड़कों पर पानी-पूरी खाना चाहती हूं। उन्होंने काम करने में बहुत ज्यादा समय बिताया। मुझे एक भी उदाहरण याद नहीं है जब हम दोनों फिल्म देखने बाहर गए हों।'

सुनीता ने बताया कि गविंदा के करियर के शिखर दिनों में जो अफेयर की अफवाहें थीं, उनसे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने कहा, 'पहले मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता था। लेकिन अब, जब वह 60 साल के हो गए हैं, तो मुझे डर लगता है। जब वह जवान थे, तो इतना काम करते थे कि उनके पास अफेयर के लिए समय नहीं था, लेकिन अब मुझे डर लगता है, क्योंकि वह खाली बैठते हैं, पता नहीं क्या कर लें।'

गोविंदा ने पत्नी सुनीता से दो बार शादी की है गोविंदा इकलौते ऐसे एक्टर हैं, जिन्होंने शादी के 18 साल बाद अपनी ही पत्नी सुनीता से पूरे रीति रिवाज के साथ दोबारा शादी की थी। दरअसल, गोविंदा की मां निर्मला देवी चाहती थीं कि वो 49 साल की उम्र में दोबारा शादी करें। अपनी मां की मर्जी को पूरा करने के लिए गोविंदा ने ठीक वैसा ही किया। उन्होंने 11 दिसम्बर 2015 में पत्नी सुनीता मुंजाल से दोबारा शादी की थी।

एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानतीं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने साल 2023 में फिल्म एनिमल में जोया का रोल निभाया था, जिससे उन्हें बॉलीवुड में एक अलग पहचान मिली थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने बताया कि उन्होंने एनिमल फिल्म क्यों की, जिसे कुछ लोग एंटी फेमिनिस्ट फिल्म मानते हैं। जबकि इससे पहले उन्होंने मजबूत महिला के कई किरदार निभाए थे।

फिल्मफेयर से बातचीत में तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानती। मैं फिल्मों को इस तरह के टैग नहीं देती। जब मैंने बुलबुल और कला फिल्में की थीं, तो मैंने नहीं सोचा कि मैं फेमिनिस्ट फिल्म कर रही हूं। मैं सिर्फ किरदारों से जुड़ी और निर्देशकों पर विश्वास किया और मुझे लगा कि यह करना सही है।

तृप्ति ने कहा, 'जब एनिमल मुझे ऑफर हुई, तो मैंने संदीप सर से मिलकर कहानी के बारे में ज्यादा नहीं सुना। लेकिन उन्होंने मेरे किरदार के बारे में बताया। मेरे लिए खास बात ये थी कि अब तक मैंने हमेशा अच्छे और प्यारे किरदार किए हैं, जिसमें लोग अंत में सहानुभूति दिखाते हैं। मुझे लगा कि यह एक अच्छा मौका है, जहां मैं कुछ अलग कर सकती हूं।'

तृप्ति ने कहा, संदीप सर ने मुझे मेरे किरदार के बारे में एक दिलचस्प बात बताई थी। वह चाहते थे कि मेरी आंखों में मासूमियत और दयालुता दिखाई दें। लेकिन मेरे अंदर एक लक्ष्य होना चाहिए, जिसे मुझे हासिल करना है। उस लक्ष्य तक कैसे पहुंचूं, यह मेरा काम था। ये मुझे एक चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प लगा तो मैंने हां कर दिया।'

तृप्ति की मानें तो सिर्फ ये एक कारण नहीं था फिल्म को हां कहने का। बल्कि, हर किसी का सपना होता है बड़ी फिल्म करने का।

उस समय तक उन्होंने बुलबुल, कला जैसी फिल्में की थीं, और जो फिल्में उन्हें ऑफर हो रही थीं, वे इसी तरह की थीं। ऐसे में उन्हें लगा कि यह एक बहुत अच्छा मौका है, इसलिए उन्होंने हां कह दिया।

इन फिल्मों नजर आ चुकी हैं तृप्ति डिमरी तृप्ति डिमरी एनिमल, कला, बुलबुल, बैड न्यूज और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

वरुण सिर्फ देखने में मासूम

अर्जुन कपूर और वरुण धवन बचपन से अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने एक साथ एक्टिंग की ट्रेनिंग भी ली थी। हाल ही में अर्जुन ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वे दोनों साथ में एक शॉर्ट फिल्म बना रहे थे, तब वह अपनी एक्टिंग से खुश नहीं थे। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि शायद उनकी खराब परफॉर्मेंस की वजह से उन्हें करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस से ज्यादा काम नहीं मिला।

गलाटा इंडिया के साथ बातचीत में अर्जुन कपूर से उनके और वरुण के साथ मिलकर एक प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के फैसले के बारे में पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए अर्जुन ने कहा, '%वरुण ने मुझे बेवकूफ बनाया। उन्होंने मुझसे कहा कि सात मिनट की शॉर्ट फिल्म में मेरा अच्छा रोल है। हम उस समय बैरी जॉन की एक्टिंग क्लास ले रहे थे। उन्होंने फैसला लिया कि वह (वरुण) फाइनल फिल्म का निर्देशन करना चाहते हैं। मैंने भी कहा ठीक है और वह कितना बुरा करेगा?'

अर्जुन कपूर ने कहा, 'इस फिल्म का निर्देशन वरुण धवन ने किया था।

फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। लेकिन जब मैंने फिल्म का फाइनल एडिट देखा तो मुझे पता चला कि असल में वह फिल्म में हीरो था और मैं विलेन था। फिल्म की शूटिंग के दौरान वरुण ने मुझे कुछ नहीं बताया था। इसके बारे में मुझे बाद में पता चला था।'

अर्जुन ने आगे कहा, 'उस फिल्म में उनके डायलॉग बिल्कुल सही हैं, वो सिर्फ दिखता है मासूम स्वामी टाइप का। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं। यह उन रेयर फिल्मों में से एक है, जिसमें वरुण को टी-शर्ट पहने देखा जा सकता है। लेकिन मैं आपको नाम नहीं बता रहा हूं, क्योंकि मुझे इस पर बहुत प्राउड नहीं है।'

अर्जुन ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'वरुण ने करण जौहर को भी फिल्म दिखाई थी। मुझे लगता है कि यही कारण है कि एक समय मुझे धर्मा से कम काम मिला।'

रूम हीटर का सुरक्षित उपयोग करें

रूम हीटर सर्दियों में एक वरदान साबित हो सकता है, लेकिन इसका लापरवाह उपयोग जान-माल को नुकसान पहुंचा सकता है। ऊपर बताए गए सुरक्षा उपायों को अपनाकर आप अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं।सर्दी के मौसम में रूम हीटर घर का तापमान बढ़ाने के लिए एक बेहद उपयोगी उपकरण है। लेकिन इसका लापरवाही से इस्तेमाल भयानक हादसों का कारण बन सकता है। कई बार ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें आग लगने से जान-माल का नुकसान होता है। इसलिए रूम हीटर का इस्तेमाल करते समय कुछ महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं उन सावधानियों के बारे में जिनसे आप खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं।

हीटर का सही प्रकार चुनें

हर हीटर हर स्थिति के लिए उपयुक्त नहीं होता। इसलिए अपने कमरे और आवश्यकताओं के अनुसार सही प्रकार का हीटर चुनें।

- कमरे के आकार और उपयोग को ध्यान में रखते हुए हीटर खरीदें।
- सुरक्षा प्रमाणपत्र और गुणवत्ता मानकों को जांचें।

रूम हीटर सर्दियों में एक वरदान साबित हो सकता है, लेकिन इसका लापरवाह उपयोग जान-माल को नुकसान पहुंचा सकता है। ऊपर बताए गए सुरक्षा उपायों को अपनाकर आप अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं। हमेशा याद रखें, सुरक्षा में ही समझदारी है। रूम हीटर का इस्तेमाल सावधानी से करें और इस सर्दी को सुरक्षित और आरामदायक बनाएं।

हीटर को कंबल या कपड़े से ढंकने से बचें

सर्दियों में लोग हीटर को तेजी से गर्म करने के लिए उसे कंबल या कपड़ों से ढक देते हैं। यह आदत बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। जब हीटर को ढक दिया जाता है, तो गर्मी बाहर नहीं निकल पाती, जिससे हीटर ओवरहीट हो सकता है। अत्यधिक गर्मी के कारण आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

- हीटर को हमेशा खुला रखें।
- उसके आसपास किसी भी ज्वलनशील वस्तु को न रखें।
- उपयोग के बाद हीटर को ठंडा होने दें।

हीटर को पानी से दूर रखें

पानी और बिजली का संपर्क बेहद खतरनाक हो सकता है। अगर हीटर गलती से गीला हो जाए, तो उसमें शॉर्ट सर्किट होने का खतरा रहता है। इससे आग लग सकती है या गंभीर बिजली का झटका लग सकता है।

- रूम हीटर को हमेशा सूखा रखें।
- बाथरूम या रसोई जैसे गीले स्थानों में हीटर का उपयोग करने से बचें।
- यदि हीटर गीला हो जाए, तो तुरंत इसे बंद करें और किसी तकनीशियन से चेक करवाएं।

कभी भी हीटर को चालू छोड़कर कमरे से बाहर न जाएं। अगर हीटर लगातार चलता रहे तो वह ओवरहीट होकर आग का कारण बन सकता है।

- जब कमरे में कोई न हो, तो हीटर को बंद कर दें।
- लंबे समय तक हीटर चलाने से बचें।
- जरूरत के अनुसार हीटर का इस्तेमाल करें।

तार और कनेक्शन की जांच करें

हीटर के तारों की स्थिति पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। खराब तार या गलत कनेक्शन शॉर्ट सर्किट का कारण बन सकते हैं।

- हीटर को हमेशा सही स्थिति में प्लग करें।
- पुराने या कटे-फटे तारों का इस्तेमाल न करें।
- हीटर को नियमित रूप से चेक करवाएं।

नियमित सफाई और रख-रखाव करें

रूम हीटर की सफाई और रख-रखाव भी इसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है। धूल और गंदगी के कारण हीटर ओवरहीट हो सकता है।

- हीटर के पंखों और वेंट्स को साफ रखें।
- समय-समय पर हीटर की जांच करवाएं।
- इस्तेमाल के बाद हीटर को ठंडा होने दें और उसे ढक कर रखें।

फालतू इस्तेमाल न करें

अक्सर लोग हीटर को चालू छोड़ देते हैं, भले ही कमरे में कोई मौजूद न हो। यह आदत न केवल बिजली की बर्बादी है, बल्कि सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

- जब आप कमरे में मौजूद हों तभी हीटर का इस्तेमाल करें।
- जरूरत खत्म होने पर हीटर को बंद कर दें। - हीटर को लंबे समय तक चालू रखने से बचें।

ज्वलनशील पदार्थों से दूरी बनाए रखें

रूम हीटर के पास ज्वलनशील पदार्थ रखना आग लगने के जोखिम को बढ़ा सकता है।